www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
22 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 83 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मौसम खुला, चारधाम व हेमकुंड साहिब यात्रा शुरू

हजारों तीर्थयात्री धामों में दर्शन के लिए पहुंचे

देहरादून। प्रदेश में मौसम खुलने के बाद प्रशासन ने चारधाम व हेमकुंड साहिब यात्रा पर अस्थायी तौर पर लगाई रोक हटा दी है। यात्रा का संचालन फिर से शुरू होने के बाद हजारों तीर्थयात्री धामों में दर्शन के लिए पहुंचे।

गढ़वाल मंडलायुक्त गढ़वाल आनंद स्वरूप ने बताया चारधाम व हेमकुंड साहिब यात्रा से जुड़े सभी जिलों के जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ व संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर यात्रा का संचालन किया जा रहा है। यात्रा मार्गों की निरंतर निगरानी की जा रही है। यात्रा मार्गों पर संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान यदि किसी स्थान पर भारी वर्षा, भूस्खलन व अन्य कारणों से यात्रा मार्ग अस्थायी रूप से बाधित होता है तो प्रशासन की ओर से निर्धारित सुरक्षित स्थानों व ठहराव वाले स्थान में ही रुकें। प्रशासन व पुलिस की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें। मौसम की परिस्थितियां सामान्य होने के बाद ही यात्रा

को आगे बढ़ाया जा रहा है। मंडलायुक्त ने कहा, यात्रियों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभागों को मौसम की स्थिति व यात्रा मार्गों पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जा सके। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा शुरू करने से पूर्व मौसम की जानकारी प्राप्त करें।

संक्षिप्त समाचार

अन्ना हजारे प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज से नाराज

- सरकार से कहा-सभी मुद्दे सहमति से सुलझाए जा सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राजधानी दिल्ली में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हो गई। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए मार्च को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। जब प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। इस घटना के बाद देशभर की कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार की आलोचना की।

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर प्रक्रिया दी है। अन्ना हजार ने छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज पर नाराजगी जताते हुए बड़ी बात कही है। छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि पुलिस ने किन परिस्थितियों में लाठीचार्ज किया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि लोकतंत्र में सभी विवाद और मतभेद बातचीत तथा आपसी सहमति के जरिए सुलझाए जा सकते हैं। हजारे ने किसी भी पक्ष पर सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए संवाद को ही सबसे बेहतर रास्ता बताया। बता दें कि वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाए जाने के बाद आंदोलन को लेकर असमंजस है।

नेपाल में 1 रुपए के सिक्के से हटाया विवादित नक्शा

- बालेन शाह ने लिया फैसला बचा बवाल, देश में घिरे

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की बालेन शाह सरकार के नेपाल के नए डिजाइन वाले 1 रुपए के सिक्के से विवादित नक्शे को हटाने पर बवाल मच गया है। नेपाल की पूर्ववर्ती केपी ओली सरकार ने चीन के इशारे पर यह विवादित नक्शा जारी किया था जिसमें भारत के लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाली इलाका दिखाया गया था। इस नक्शे को लेकर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया

था। अब बालेन शाह सरकार ने नेपाल के 1 रुपये के सिक्के पर से विवादित नक्शे की जगह पर एक बौद्ध मठ की तस्वीर को छापा है। इसे जहां भारत की बड़ी जीत की तरह से देखा जा रहा है, वहीं इसको लेकर नेपाल में विवाद शुरू हो गया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेता भीम रावल ने बालेन सरकार के नए राजनीतिक नक्शे को हटाने के फैसले की कड़ी निंदा की है। रावल ने कहा कि यह नेपाल की क्षेत्रीय संप्रभुता को बहुत बड़ा झटका है। उन्होंने मांग की बालेन सरकार फैसला बदले।

छह एमपी के शिवसेना में विलय की मंजूरी का विरोध

- सुप्रीम कोर्ट पहुंची उद्धव सेना बेंच ने कहा-वादा नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6 सांसदों की एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलय के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के फैसले को चुनौती देने के लिए पार्टी मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। पार्टी ने सुप्रीम

कोर्ट से गुहार लगाई कि इस मामले पर तत्काल सुनवाई की अनुमति दी जाए। हालांकि, सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) की ओर से सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने इस मामले को भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत के सामने तत्काल सुनवाई के लिए पेश किया।

छह देश भारत से खरीद सकते हैं अस्त्र मिसाइल

- 'मेड इन इंडिया' का बजा डंका! 2026 में बढ़ा रक्षा निर्यात

सऊदी अरब, इंडोनेशिया और आर्मेनिया से बातचीत है जारी

रियाद/येरेवान/नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में अपनी क्षमता साबित कर चुकी भारत की 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल में आर्मेनिया और सऊदी अरब समेत 6 देशों ने दिलचस्पी दिखाई है। यह मिसाइल पहले से ही एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट्स के साथ इंटीग्रेटेड है और इसके निर्यात को लेकर बातचीत की जा रही है। इस मिसाइल को बेचने की बात उस वक्त हो रही है जब वित्त वर्ष 2026 में भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपया हो गया है। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच 'अस्त्र' बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइलों के लिए सैद्धांतिक सहमति बनी थी। इस समझौते ने इस स्वदेशी हथियार प्रणाली में वैश्विक दिलचस्पी को और बढ़ा दिया है।

- आर्मेनिया बन चुका है भारत का बड़ा रक्षा खरीददार- आर्मेनिया पहले ही भारतीय हथियार खरीदने वाले शीर्ष देशों में शामिल हो चुका है। वो पहले ही आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, स्वाति वेपन-लोकेटिंग रडार, 155एमएम एडवांस्ड टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम होवित्जर और एंटी-ड्रोन सिस्टम खरीद चुका है। रॉयल सऊदी एयर फोर्स अमेरिकी यूरोफाइटर टाइफून जैसे अलग-अलग तरह के विमानों का इस्तेमाल करती है।

पेपर लीक मुद्दे पर स्पीकर से मिले राहुल गांधी

- कहा-लोकसभा में चर्चा हो, भारी हंगामे से नहीं हो सकी चर्चा • खड़गे बोले-सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा, चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। इसके पहले मंगलवार सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष ने नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग की, प्लेकार्ड दिखाए और नारेबाजी की। भारी हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और इसके बाद दोपहर 2 बजे तक स्थगित की गई थी। सदन के बाहर आकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है, लोकतंत्र में ऐसा करना गलत है। वहीं, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और सैयद नासिर हुसैन ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत काम रोकने का नोटिस दिया है। उन्होंने नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले पर तुरंत चर्चा कराने की मांग की है।

- संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के लगातार विरोध के बाद लोकसभा बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हमने संसद में अन्याय, उत्पीड़न और बनाए जा रहे दबाव के मुद्दे को उठाने का समय मांगा था। लेकिन जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, मेरा माइक बंद कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा में एम्स भुवनेश्वर के लिए एक नए सदस्य के चुनाव का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बताया कि एम्स अधिनियम के तहत यह चुनाव कराया जा रहा है। 2 अप्रैल 2026 को ममता मोहंता का राज्यसभा कार्यकाल खत्म होने से यह सीट खाली हुई थी, जिसे भरने के लिए सदन के एक सांसद को चुना जाएगा।

यूपी की 50 हजार छात्राओं को मुफ्त में मिलेगी स्कूटी

रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत योगी सरकार का बड़ा तोहफा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की छात्राओं को योगी कैबिनेट से बड़ा तोहफा मिला है। मेधावी छात्राओं को परीक्षा में अच्छा करने के लिए फ्री स्कूटी देने वाली स्कीम को मंजूरी दे दी गई है। रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को कैबिनेट की बैठक में हरी झंडी दिखा दी गई है। इस योजना के तहत 2025-26 के शैक्षणिक सत्र में ग्रेजुएशन में हर कॉलेज और यूनिवर्सिटी की टॉप-5 छात्राओं को सरकार की ओर से मुफ्त में स्कूटी दी जाएगी। इस योजना के अंतर्गत सभी सरकारी, प्राइवेट, सेल्फ फंडिंग या अन्य मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटीज को शामिल किया गया है। इन कॉलेज-यूनिवर्सिटीज में पढ़ने वाली छात्राएं अगर अपने कॉलेज या यूनिवर्सिटी में टॉप-5 में आती हैं तो उन्हें फ्री में स्कूटी दी जाएगी।

विधानसभा में संभल दंगे की रिपोर्ट पेश होगी

इस दौरान सदन में संभल दंगों की जांच रिपोर्ट रखी जाएगी। साथ ही अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। इसके अलावा, प्रदेश में 2 और एक्सप्रेस-वे बनाए जाएंगे। इनमें विंध्य एक्सप्रेस-वे और विंध्य-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे शामिल हैं।

ममता बनर्जी को हाई कोर्ट से बड़ा झटका

कोलकाता, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ा कानूनी झटका लगा है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा फ्रीज किए गए पार्टी के तीन बैंक खातों का इस्तेमाल करने की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया है। इन खातों में कुल 440 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम जमा है। इससे पहले राज्य पुलिस ने भी इन खातों को सीज किया था, जिन्हें हाई कोर्ट की एक अन्य बेंच ने आंशिक रूप से खोल दिया था, लेकिन इसके तुरंत बाद शुक्ष ने कड़ा एक्शन लेते हुए इन खातों को फिर से पूरी तरह से फ्रीज कर दिया। पिछली बेंच ने दी थी रोजमर्रा के खर्चों की सशर्त छूट इस पूरे मामले में इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट की ही एक दूसरी बेंच ने पार्टी को फौरी राहत देते हुए कुछ कड़ी शर्तों के साथ खातों के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी दी थी।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड

- 10 मजदूरों की हो गई मौत, 17 अब भी हैं फंसे • मलबे से सुरंग बंद, रेस्क्यू करने गए वर्कर बेहोश

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए।

बंगाल से स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई- जिला अधिकारी तमलिंग ने बताया कि दोपहर करीब 3.40 बजे प्रशासन को हादसे की खबर मिली। इसके बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जिला पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। सुरंग में पटेल इंजीनियरिंग के 21 और एनएचपीसी के 6 समेत कुल 27 मजदूर फंसे होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल से भी गैस-रोधी उपकरणों के साथ एक स्पेशल रेस्क्यू टीम लाई गई है। एंबुलेंस को तैयार रखा गया है। बचाव दल गैस मास्क पहनकर मजदूरों तक पहुंचा।

एजेंसियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आदेश- सीएम तमांग ने संबंधित सभी विभाग और एजेंसियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने, बचाव कार्य में तेजी लाने तथा पूरे अभियान के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने, अपुष्ट और भ्रामक सूचनाओं के प्रसार से बचने तथा प्रभावित श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना का अपील की है। तमांग ने कहा कि राज्य सरकार बचाव अभियान जारी रखे है और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहयोग देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नामची जिला प्रशासन एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सिक्किम पुलिस ऐक्टिव है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। हरिद्वार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आगामी 30 जुलाई से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे तथा सभी व्यवस्थाएं पूरी संवेदनशीलता, समन्वय और सेवा-भाव के साथ संचालित हों। उन्होंने महिला श्रद्धालुओं के लिए अलग से पर्याप्त संख्या में साफ-सुथरे पिंक टॉयलेट्स स्थापित किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्था राज्य के सभी प्रमुख स्थलों पर की जाए। मंगलवार को मेला नियंत्रण भवन सभागार में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कांवड़ मेले की

तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड की आस्था, प्रशासनिक क्षमता, सेवा-भाव और कार्यकुशलता का भी प्रतीक है। हमारा लक्ष्य 'सुरक्षित कांवड़, सुव्यवस्थित कांवड़ और स्वच्छ कांवड़' होना चाहिए। प्रत्येक श्रद्धालु देवभूमि उत्तराखण्ड से सुरक्षित, संतुष्ट और सुखद अनुभव के साथ लौटे, यही राज्य सरकार का 'विकल्प रहित संकल्प' है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारियों, धर्माचार्यों एवं संत समाज के सहयोग से कांवड़ मेले का सफल संचालन और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि धर्माचार्यों एवं संतों के संदेशों पर आधारित वीडियो संदेश तैयार कर कांवड़ यात्रियों तक पहुंचाए जाएं, ताकि यात्रा अनुशासित एवं मर्यादित ढंग से संपन्न हो सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन एवं एआई आधारित निगरानी प्रणाली का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध तत्काल एवं कठोर कार्रवाई की जाए। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने अथवा भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने वालों पर भी कड़ी निगरानी रखते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की मुहिम बढ़ी आगे

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं दून विश्वविद्यालय का किया भ्रमण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर राज्य के युवाओं को विदेश में सीधे रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में उत्तराखंड सरकार की मुहिम तेजी से आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार के प्रयासों से मंगलवार को जापान के आए प्रतिनिधि मंडल ने सर्वे चौक, देहरादून स्थित क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं दून विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। यह सभी प्रतिनिधिमंडल अनाडुकी ग्लोबल करियर कंपनी लिमिटेड, जापान से हैं। जिसमें हिदेतारो उसुई, माई इकुता एवं मिहोको मात्सुमोतो शामिल हैं।

जापानी प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा उत्तराखण्ड और जापान के मध्य कौशल विकास, जापानी भाषा प्रशिक्षण तथा अंतरराष्ट्रीय रोजगार सहयोग को नई गति प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा युवाओं को दिए जा रहे भाषा एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अवलोकन किया तथा जाना कि उत्तराखण्ड सरकार

किस प्रकार युवाओं को वैश्विक रोजगार के लिए तैयार कर रही है। साथ ही, उन्होंने उन क्षेत्रों की संभावनाओं का अध्ययन किया जिनमें उत्तराखण्ड के युवाओं को जापान में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में भ्रमण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन और वैश्विक रोजगार योजना के अंतर्गत जापानी भाषा सीख रहे प्रशिक्षित अभ्यर्थियों से संवाद किया ।

एक नजर

मदननेगी उप तहसील में अनुपस्थित कर्मचारी का वेतन रोकने के निर्देश

नई टिहरी। एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने मदननेगी उप तहसील और आयुर्वेदिक चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उप तहसील से अनुपस्थित पाए गए वरिष्ठ सहायक का वेतन रोकने और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा गया है। आयुर्वेदिक अस्पताल में बंद पड़ी मशीनों को शीघ्र संचालित करने के निर्देश दिए गए। मदननेगी उप तहसील पहुंचे एडीएम ने कहा कि शासकीय कार्यों में लापरवाही और बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आयुर्वेदिक चिकित्सालय पहुंचने पर एडीएम ने वेलनेस सेंटर में बंद पड़ी मशीनों को शीघ्र संचालित करने को कहा। अस्पताल में दवाओं का स्टॉक कम पाए जाने पर उन्होंने समय रहते उच्चाधिकारियों को अवगत कराकर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चिकित्सालय परिसर के आस पास झाड़ियां होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए अस्पताल परिसर की नियमित सफाई करने के निर्देश दिए।

खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत नहीं होने पर जताया आक्रोश

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक के अंतर्गत खस्ताहाल सड़कों के सुधारीकरण की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने लोनिवि थत्यूड के नव नियुक्त अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने सड़कों के सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग उठाई। भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील थपलियाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबीर पंवार, सेवा निवृत्त कर्मचारी संघ के अध्यक्ष खेमराज भट्ट ने लोनिवि के ईई आदर्श गोपाल को खस्ताहाल हो चुकी क्षेत्र की सड़कों के बारे में अवगत करवाया। क्षेत्र में कई सड़कों की स्थिति बहुत ही खराब है। लोग लंबे समय से सड़कों की सुधारीकरण की मांग करते आ रहे हैं लेकिन सुधारीकरण कार्य नहीं हो पा रहा है।

थत्यूड़–अग्याना, थत्यूड़–मूगलोडी सहित क्षेत्र में कई सड़के मरम्मत के अभाव खस्ताहाल होने से लोग जोखिम भरा सफर करने को मजबूर हैं। दायित्वधारी गीता रावत ने लोनिवि कार्यालय पहुंचकर ईई से बरसात समाप्त होते ही सड़कों के सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य शुरू करने को कहा। इस मौके पर ग्राम प्रधान सरदार सिंह, वीरेंद्र रावत, विनोद राणा, सुनील चमोली, जयपाल भंडारी आदि मौजूद रहे।

टीबी मुक्त अभियान में 37 हजार लोगों की हुई स्क्रीनिंग

नई टिहरी। जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत करीब 37 हजार लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की जा चुकी है। स्क्रीनिंग शिविरों में एक्सरे समेत आवश्यक जांच की जा रही है। शेष लक्ष्य को जल्द पूरा करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभियान जारी है। डीएम नितिका खंडेलवाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को तय समय में शत–प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम की अध्यक्षता में आयोजित टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि पूर्व में आयोजित शिविरों के बाद जरूरत के अनुसार दोबारा स्क्रीनिंग शिविर लगाए जाएं। उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बृजेश डोभाल ने बताया कि पिछली बैठक में जिन स्थानों पर टीबी स्क्रीनिंग शिविर लगाने के निर्देश दिए गए थे। बैठक में सीडीओ वरुणा अग्रवाल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. डीके शर्मा, आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र, जिला सेवायोजन अधिकारी लक्ष्मी यादव आदि मौजूद रहे।

पेयजल किल्लत और रसोई गैस की आपूर्ति नहीं होने से दिक्कत

चंबा (टिहरी)। उदयकोट पट्टी के गुनोगी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में पेयजल किल्लत और रसोई गैस की समस्याएं प्रमुखता से छाई रही। ग्रामीणों ने कहा कि रसोई गैस का समय पर वितरण नहीं होने से परेशानी हो रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री दिनेश सिंह धनाई ने पेयजल समस्या के समाधान के लिए पेयजल निगम चंबा के अधिशासी अभियंता से फोन पर वार्ता की जल्द समाधान करने को कहा।

धनाई ने कहा कि क्षेत्र में पेयजल की समस्या के समाधान के लिए सुरकंडा पेयजल योजना स्वीकृत कराई गई थी जिससे काणाताल क्षेत्र में पानी की आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्री रहते हुए काणाताल को पर्यटन सर्किट से जोड़ा गया। इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े और होम स्टे योजना का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। इस मौके पर प्रधान सुशीला थपलियाल, पूर्व प्रधान सत्यानंद थपलियाल, पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के संरक्षक देव सिंह पुंडीर, बलबीर सिंह पुंडीर, पूर्व प्रधान मोहम्मद असरफ, उप प्रधान हसीम बेगम मौजूद रहे।

अगस्त के पहले हफ्ते में उत्तराखंड आएंगे मल्लिकार्जुन खरगे

देहरादून। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अगस्त के पहले सप्ताह उत्तराखंड के दौरे पर आ सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस ने हल्द्वानी में कार्यकर्ताओं की रैली में आने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रस्ताव भेजा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बाद अब अगले माह राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे उत्तराखंड आ सकते हैं। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि पार्टी की ओर से हल्द्वानी में कार्यकर्ताओं की बड़ी रैली कराने की तैयारी चल रही है। इस रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष को आमंत्रित किया गया।

भूस्खलन से बंद मसूरी–दून मार्ग आज खुला, हल्के वाहनों की आवाजाही शुरू

मसूरी, मसूरी–देहरादून मार्ग पर कोल्हूखेत के पास भूस्खलन के कारण बंद हुआ यातायात मंगलवार सुबह बहाल कर दिया गया। मार्ग को सुबह हल्के वाहनों के लिए खोल दिया गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। बता दें कि सोमवार शाम करीब 4 बजे भूस्खलन के बाद यह मार्ग पूरी तरह यातायात के लिए बंद हो गया था। लोनिवि की टीम ने मलबा हटाने के बाद सड़क को आंशिक रूप से खोल दिया है। लोनिवि के सहायक अभियंता अरविंद सतवारिया ने बताया कि फिलहाल मसूरी–देहरादून मार्ग हल्के वाहनों के लिए खोल दिया गया है।

यमुनोत्री हाईवे पर मलबा–पत्थर गिरने से आवाजाही ठप

यमुनोत्री घाटी में रातभर हुई भारी बारिश के चलते यमुनोत्री हाईवे पर जगह–जगह मलबा और पत्थर आने से आवाजाही सुबह तड़के से बंद है। भारी बारिश के कारण बड़कोट नगरपालिका क्षेत्र के दोनों ओर बहने वाले बरसाती खड्ड भी उफान पर हैं। एनएच के ईई मनोज रावत ने बताया कि हाईवे खोलने के लिए मशीनों को मौके पर भेज दिया गया है और जल्द यातायात बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कर्णप्रयाग: मुख्य बाजार में टूटा बिजली का खंभा

बारिश और तेज हवा के चलते कर्णप्रयाग मुख्य बाजार में बिजली का खंभा टूटकर लोनिवि कार्यालय के गेट पर गिर गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। खंभा टूटने से मुख्य बाजार की बिजली रात से गुल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खंभा पहले से जर्जर था, लेकिन ऊर्जा निगम ने इसकी सुध नहीं ली।

अधिकारियों–कर्मचारियों के अभाव में लड़खड़ा रहा जौनपुर ब्लॉक कार्यालय

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर विकासखंड कार्यालय इन दिनों अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है। टिहरी जिले के दूसरे सबसे बड़े विकासखंड जौनपुर में कई अहम पद लंबे समय से रिक्त चल रहे। इसका सीधा असर मनरेगा, ग्राम विकास, लघु सिंचाई सहित विभिन्न विकास योजनाओं के संचालन और निगरानी पर पड़ रहा है।

विकासखंड कार्यालय में लेखाकार के तीन स्वीकृत पदों के सापेक्ष वर्तमान में सिर्फ केवल एक कर्मचारी कार्यरत हैं जबकि दो पद रिक्त हैं। ग्राम विकास अधिकारी के 9 पदों में से 7 पर ही तैनाती है और दो पद खाली हैं। सबसे खराब स्थिति मनरेगा अनुभाग की बनी हुई है जहां कनिष्ठ अभियंता (जेई) के 10 स्वीकृत पदों में केवल 4 पर ही तैनाती है जबकि छह पद लंबे समय से रिक्त चल रहे हैं। लघु सिंचाई में दो पदों के सापेक्ष केवल एक कर्मचारी कार्यरत है।इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारी और पत्रवाहक का एक–एक स्वीकृत पद भी रिक्त चल रहा है।

अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी के कारण निर्माण कार्यों की निगरानी, भुगतान संबंधी प्रक्रियाएं, ग्राम पंचायतों के विकास कार्य और लघु सिंचाई योजनाओं का कार्य धीमी गति से चल रहा है।जौनपुर विकास मंच के उपाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत, महामंत्री खेमराज भट्ट का कहना है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर डीएम व सीडीओ को कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई।

सहायक कृषि अधिकारी भर्ती: आयोग ने जारी किया नया सिलेबस

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) ने कृषि विभाग में सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–1 (विकास शाखा) और सहायक कृषि अधिकारी वर्ग–3 भर्ती परीक्षा का सिलेबस जारी कर दिया है। भर्ती के लिए अभ्यर्थियों को डिजिटल एआई, रोबोटिक्स के सवालों का भी सामना करना होगा।

कई भर्ती परीक्षाओं का सिलेबस न होने की वजह से अटकी हुई थीं। इन परीक्षाओं के लिए आयोग ने जो सिलेबस बनाकर भेजे थे, शासन स्तर पर संबंधित विभागों से सुझाव लेने के बाद उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस कड़ी में शासन से हरी झंडी मिलने के बाद यूकेएसएसएससी ने सहायक कृषि अधिकारी भर्ती परीक्षा का सिलेबस जारी कर दिया है। सरकारी कृषि अधिकारी बनने के लिए सिर्फ पारंपरिक खेती, मिट्टी या फसल का ज्ञान ही काफी नहीं होगा। उत्तराखंड सरकार ने इस बार सिलेबस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स और डिजिटल एग्रीकल्चर जैसे आधुनिक विषयों को भी अनिवार्य रूप से शामिल किया है। यानी आने वाले दिनों में उत्तराखंड के कृषि अधिकारी खेतों में एआई और स्मार्ट तकनीक का इस्तेमाल करते नजर आएंगे।

ये होगा परीक्षा का पैटर्न

आयोग दो घंटे की परीक्षा कराएगा, जिसमें 100 अंकों के 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। सिलेबस को 10 मुख्य इकाइयों में बांटा गया है। इकाई एक व दो में फसलों का वैज्ञानिक उत्पादन, जैविक, प्राकृतिक खेती, बागवानी (फल–फूल–सब्जी), मशरूम उत्पादन व हाइड्रोपोनिक्स आदि, इकाई तीन व चार में मृदा स्वास्थ्य, खाद–उर्वरक, सुदूर संवेदन, पादप सुरक्षा (कीट व रोग प्रबंधन) एवं रेशम, मधुमक्खी पालन, इकाई पांच व छह में मेंडल के नियम, जीआई टैग, बीज प्रौद्योगिकी, पादप कोशिका, पोषण और आपदा प्रबंधन, इकाई सात व आठ में पशुपालन व दुग्ध प्रसंस्करण, कृषि अर्थशास्त्र, केसीसी, पीएम–किसान व ई–नाम मंडी व्यवस्था, इकाई नौ व दस में आधुनिक कृषि उपकरण (ट्रैक्टर, पावर टिलर), हरित ऊर्जा, सांख्यिकी, डिजिटल कृषि व कृषि में एआई का उपयोग आदि से संबंधित विषय शामिल हैं। सिलेबस के साथ स्पष्ट किया गया है कि इन सभी विषयों से जुड़ी नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी बदलाव और समसामयिक सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल भी परीक्षा में शामिल माने जाएंगे।

बारिश से मलारी हाईवे बंद

देवाल–खेता और घेस सड़कें बंद होने से फंसे 50 से अधिक वाहन

देवाल। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश से कई प्रमुख सड़कें भूस्खलन और मलबा आने के कारण बंद हो गई हैं। चमोली जिले में मलारी हाईवे समेत कई संपर्क मार्गों पर यातायात प्रभावित होने से हजारों लोगों और दर्जनों वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

लगातार हो रही भारी बारिश के कारण सीमांत नीति घाटी को जोड़ने वाला मलारी हाईवे तमक और गाड़ी ब्रिज के पास बंद हो गया है। सड़क पर मलबा आने से यातायात प्रभावित हुआ है। बीआरओ की टीमें मौके पर पहुंचकर हाईवे को खोलने के काम में जुटी हैं।

वहीं देवाल में मूसलाधार बारिश के चलते देवाल–खेता–मानमती और कुनारबैंड–घेस–हिमनी मोटर मार्ग बंद हो गए हैं। वहीं ल्वाणी के पास मलबा आने से देवाल–लोहाजंग–वाण स्टेट हाईवे मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे तक बंद रहा, जिसे बाद में यातायात के लिए खोल दिया गया।

नदी किनारे पिकनिक स्पॉट पर पुलिस की सख्ती, बढ़ाई चौकसी

देहरादून। अचानक बढ़ते जलस्तर से होने वाले हादसों की आशंका को देखते हुए देहरादून पुलिस ने संवेदनशील नदी किनारे पिकनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी और कड़ी कर दी है। लोगों से नदी के पास जाने से बचने की अपील की जा रही है, जबकि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी है।

मानसून के दौरान नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ने से होने वाले हादसों को रोकने के लिए देहरादून पुलिस ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को नदी किनारे स्थित पिकनिक स्पॉटों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अब ऐसे स्थानों पर लगातार गश्त करेगी और लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों से नदी किनारे न जाने और पानी में प्रवेश न करने की अपील करेगी। चेतावनी के बावजूद नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की

जाएगी। शहर में मालदेवता, गुच्चूपानी, सहस्त्रधारा, नयागांव और संतला देवी क्षेत्र के आसपास नदी किनारे बड़ी संख्या में लोग पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। मौसम साफ होने के बावजूद पहाड़ों में बारिश के कारण नदियों का जलस्तर कुछ ही मिनटों में खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है, जिससे लोगों की जान जोखिम में पड़ जाती है। रविवार को संतला देवी क्षेत्र में टौंस नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से सात लोग नदी के बीच बने टापू में फंस गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना के बाद पुलिस ने नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था और सख्त करने का निर्णय लिया है।

नियमित गश्त बढ़ाने और लोगों को लगातार जागरूक करने के निर्देश

पिछले वर्ष 16 सितंबर को नयागांव क्षेत्र में आई आपदा के दौरान नदी में उतरे कई लोगों की मौत हो गई थी। वहीं मालदेवता क्षेत्र में भी लगभग हर मानसून में नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से पर्यटक और स्थानीय लोग फंस जाते हैं, जिन्हें पुलिस और एसडीआरएफ को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकालना पड़ता है। इसको देखते हुए सभी थाना प्रभारियों को संवेदनशील पिकनिक स्पॉटों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने, नियमित गश्त बढ़ाने और लोगों को लगातार जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं।

शादी का झांसा देने वाले पर भड़की युवती

हल्द्वानी , शहर निवासी एक युवती सोमवार को कोतवाली पहुंची। उसने अल्मोड़ा के रहने वाले युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया। वह युवक से शादी की जिद पर अड़ गई। पर पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया। इस दौरान कोतवाली में घंटों तक गहमागहमी बनी रही।

युवती ने पुलिस को बताया कि अल्मोड़ा निवासी युवक हल्द्वानी में नौकरी करता है। एक साल पहले उन दोनों की मुलाकात हुई और नजदीकियां बढ़ गईं। युवती का आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। उसने खुद को दो माह की गर्भवती बताया।

राजधानी में युवाओं को प्रदर्शन

देहरादून।,उत्तराखंड लोक सेवा आयोग से जेई और एई भर्तियां जारी करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा सचिवालय कूच के लिए निकल पड़े। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के बैनर तले जुटे युवाओं ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रियाएं लंबित हैं, जिससे युवाओं में निराशा बढ़ रही है। उन्होंने मांग की कि जेई और एई समेत अन्य पदों पर जल्द से जल्द भर्ती विज्ञापन जारी किए जाएं और नियमित भर्ती कैलेंडर घोषित किया जाए, ताकि युवाओं को स्पष्ट दिशा मिल सके।

युवाओं ने इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की भी मांग उठाई और सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी देखने को मिली, जिससे प्रशासन में भी हलचल रही। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पर्यावरण प्रेमियों को सुप्रीम कोर्ट से झटका

ऋषिकेश। भानियावाला–ऋषिकेश फोरलेन परियोजना के लिए हो रहे पेड़ों के कटान का विरोध कर रहे पर्यावरण प्रेमियों को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा। शीर्ष अदालत ने पर्यावरण प्रेमी रेनू पॉल की ओर से दायर अवमानना याचिका खारिज कर दी। कोर्ट के इस फैसले से फिलहाल राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और परियोजना से जुड़े पक्षों को राहत मिली है। भानियावाला–ऋषिकेश फोरलेन परियोजना को लेकर पिछले कई दिनों से पर्यावरण प्रेमी लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर बड़ी संख्या में पुराने और छायादार पेड़ों की बलि दी जा रही है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होगा। विरोध के बावजूद अब तक 700 से अधिक पेड़ काटे जा चुके हैं। हालांकि पर्यावरण प्रेमियों के विरोध को देखते हुए बीते कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पेड़ों के कटान को रोकने के निर्देश दिए। वहीं पर्यावरण प्रेमी रेनू पॉल ने बीते बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर करते हुए आरोप लगाया था कि सरकार के पास पेड़ों के कटान की वैधानिक अनुमति नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट को हल्द्वानी स्थानांतरित करने के फैसले का स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वरिष्ठ अधिवक्ता एवं बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अरुण भट्ट ने उच्च न्यायालय को नैनीताल से हल्द्वानी स्थानांतरित किए जाने संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने इसे वादकारियों के हित में लिया गया महत्वपूर्ण और व्यावहारिक निर्णय बताया।अरुण भट्ट ने कहा कि वर्तमान में उच्च न्यायालय नैनीताल में होने के कारण सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना वादकारियों को करना पड़ता है।

नैनीताल एक प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण वहां आवास की व्यवस्था करना अक्सर चुनौतीपूर्ण और महंगा साबित होता है, जिससे दूर-दराज से आने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अधिवक्ताओं और विभिन्न संगठनों की ओर से उच्च न्यायालय को हल्द्वानी स्थानांतरित किए जाने की मांग की जा रही थी। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुगम और आम लोगों के लिए सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि उच्च न्यायालय के हल्द्वानी स्थानांतरित होने से वादकारियों, अधिवक्ताओं और न्यायिक कार्य से जुड़े सभी लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा न्याय तक पहुंच और अधिक आसान होगी।

विद्यार्थियों ने किया पौधा रोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि ।कोटद्वार : हरेला सप्ताह के उपलक्ष्य में जानकीनगर स्थित हेमनदास सरस्वती विद्या मंदिर में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के औषधीय एवं छायादार पौधे रोपे गए और पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवभूमि पहल समिति के सचिव उत्कर्ष नेगी, आधारशिला रक्तदान समूह के संचालक दलजीत सिंह तथा ग्रीन आर्मी के सदस्य शिवम नेगी ने तुलसी का पौधा रोपकर किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट के बीच पौधा रोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या अन्य विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे न केवल धरती को हरियाली प्रदान करते हैं, बल्कि शुद्ध वायु, स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। नर्सरी से कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अपने विचार और रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़, प्रयाग दत्त चमोली, अंचल कुमार अग्रवाल, योगेश नेगी, मनोज जोशी, गीता रावत, सुनीता पंत, कीर्ति द्विवेदी, अंजू चमोला, दीक्षा, पूजा चतुर्वेदी, हेमा पांडे सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

बेस चिकित्सालय में मरीज को थमाई गलत दवा, तीमारदारों ने किया हंगामा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय में मरीज को गलत दवा दिए जाने का मामला सामने आने पर तीमारदारों ने दवा वितरण काउंटर पर जमकर हंगामा किया। उनका आरोप था कि यदि समय रहते दवा की जांच नहीं की जाती और मरीज उसका सेवन कर लेता, तो गंभीर परिणाम हो सकते थे। बाद में दवा काउंटर पर तैनात कर्मचारियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी, जिसके बाद मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार, पेट दर्द की शिकायत लेकर एक महिला फिजीशियन डॉ. जेसी ध्यानी की ओपीडी में पहुंची थी। जांच के बाद चिकित्सक ने आवश्यक दवाएं लिखीं।

महिला के परिजन चिकित्सालय के दवा काउंटर से दवाएं लेकर घर पहुंचे। घर पर दवाओं की जांच करने पर पता चला कि एक दवा मिर्गी (एपिलेप्सी) के इलाज में उपयोग की जाने वाली थी, जबकि मरीज को ऐसी कोई बीमारी नहीं थी। गलत दवा मिलने की जानकारी के बाद महिला और उसके परिजन तत्काल चिकित्सालय पहुंचे और दवा वितरण काउंटर पर विरोध जताया। उनका कहना था कि दवा वितरण में इस तरह की लापरवाही मरीज की जान के लिए खतरा बन सकती है। करीब आधे घंटे तक चले हंगामे के दौरान परिजनों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की। परिजन शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रमुख अधीक्षक के कार्यालय भी पहुंचे, लेकिन उस समय वहां कोई अधिकारी मौजूद नहीं मिला। बाद में दवा काउंटर पर तैनात कर्मचारियों ने अपनी त्रुटि स्वीकार करते हुए माफी मांगी और सही दवा उपलब्ध कराई, जिसके बाद परिजन शांत हुए।

कभी तेज धूप तो कभी उमस, बिगड़ने लगा स्वास्थ्य

कोटद्वार राजकीय बेस चिकित्सालय में ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए लगी लंबी लाइन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मौसम में हो रहे बदलाव व खानपान में लापरवाही लोगों के सेहत पर भारी पड़ रही है। हालत यह है कि इन दिनों राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में पीलिया सहित बुखार-जुखाम के मरीजों की संख्या में इजाफा हो गया है। ऐसे में सुबह से ही ओपीडी की पर्ची बनवाने वालों की भारी भीड़ नजर आ रही है। चिकित्सक लोगों को बदलते मौसम में स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहने की सलाह दे रहे हैं।

कभी तेज धूप तो कभी वर्षा से बदल रहा मौसम लोगों को बीमार कर रहा। वर्षा काल में जलजनित रोग होने से कई प्रकार की समस्याएं हो रही हैं। जिसमें उल्टी, दस्त, पानी की कमी सहित कई विकार उत्पन्न हैं।

अधिकांश लोगों में पीलिया की शिकायत हो रही है। लीवर में खराबी, त्वचा व आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ना जैसे कई अन्य पीलिया के लक्षण में शामिल हैं। बेस चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजीशिन डा. जीसी ध्यानी ने कहा कि मौसम में बदलाव होने, दूषित खाना व गंदा पानी-पीने के कारण लोगों में पीलिया की शिकायतें आ रही है। उन्होंने मरीजों को स्वच्छ पानी का सेवन करने व बाहर का दूषित खाना खाने से बचने की सलाह दी है।

यह है पीलिया के लक्षण

- आंखों का सफदे हिस्सा पीला होना
- त्वचा का पीला पड़ना
-पेशाब का गहरे पीले या भूरे रंग का होना
- मल का रंग हल्का या सफेद जैसा होना
- अत्यधिक थकान व कमजोरी महसूस होना
- लागातर बुखार रहना
- पेट के दाहिने ऊपरी हिस्से में दर्द या भारीपन

बॉक्स समाचार

पीलिया से बचाव के उपाय

- स्वच्छ और उबला या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं
- ताजा और साफ भोजन करें, बाहर का दूषित या कटा हुआ खाना खाने से बचे
- खाने से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोएं
- संतुलित आहार लें, बाहर के भोजन से बचे
- बिना चिकित्सक की सलाह के कोई भी दवा न लें

ज्वैलर्स से लाखों की ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में ठगी के आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ज्वैलर्स का विश्वास जीतकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से छह लाख रुपये नकद और चार सोने की चेन बरामद हुई हैं। मामले में गिरोह का एक अन्य सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि 19 जुलाई को जौनपुर निवासी ज्वैलर विभाष अग्रवाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि कुछ समय पहले रघुवीर नाम का एक व्यक्ति उनके संपर्क में आया। शुरुआत में उसने असली सोने की अंगूठी गिरवी रखकर 25 हजार रुपये उधार लिए और तय समय पर रकम लौटाकर अपना गिरवी रखा आभूषण वापस ले लिया। इसके बाद वह कई बार इसी तरह लेन-देन करता रहा, जिससे ज्वैलर का उस पर पूरा भरोसा बन गया। कुछ समय बाद रघुवीर अपने एक साथी के साथ दुकान पर पहुंचा और बेटी की शादी का हवाला देकर अधिक धन की आवश्यकता बताई। उसने अपने साथ लाए आभूषणों के बदले नए सोने के आभूषण और करीब आठ लाख रुपये ले लिए। आरोपित ने जल्द ही रकम लौटाने का भरोसा दिया, लेकिन इसके बाद वह न तो वापस आया और न ही उसका मोबाइल फोन चालू मिला। खुद को ठगा महसूस होने पर ज्वैलर ने पुलिस से शिकायत की। जांच के दौरान पुलिस ने घटना स्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में रघुवीर के साथ तीन अन्य लोग भी नजर आए, जो वारदात के बाद नजीबाबाद जाने वाली बस में सवार होकर फरार हो गए थे। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कोटद्वार रेलवे स्टेशन के पास घेराबंदी कर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजस्थान के अलवर जिले के खेड़ा पृथ्वीपुरा निवासी रघुवीर नायक, विक्रम भोपा और बलवीर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रघुवीर के खिलाफ उत्तर प्रदेश के संभल जिले में दो आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें एक एनडीपीएस एक्ट से संबंधित है। गिरोह का एक अन्य सदस्य नीरज, निवासी खेड़ा पृथ्वीपुरा (अलवर), अभी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं।

इस तरह देते थे वारदात को अंजाम

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह सुनियोजित तरीके से अलग-अलग शहरों में ज्वैलर्स को अपना निशाना बनाता था। शुरुआत में सदस्य असली सोने के आभूषण गिरवी रखकर छोटी-छोटी रकम लेते और समय पर ब्याज सहित पैसा लौटाकर ज्वैलर का विश्वास जीत लेते थे। कई बार ऐसा करने के बाद जब भरोसा पूरी तरह कायम हो जाता, तब वे सोने की परत चढ़े नकली आभूषण गिरवी रखकर उसके बदले असली सोने के आभूषण या बड़ी नकदी हासिल कर फरार हो जाते थे। वारदात के बाद सभी आरोपित अपने मोबाइल फोन बंद कर देते थे, जिससे उनका पता लगाना मुश्किल हो जाता था। पुलिस के अनुसार गिरोह ने कलालघाटी क्षेत्र के एक अन्य ज्वैलर को भी इसी तरह निशाना बनाने की योजना बनाई थी। आरोपी वहां पहुंचने ही वाले थे, लेकिन उससे पहले पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर बड़ी ठगी की वारदात होने से रोक दिया।

प्रवेश के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

श्रीनगर गढ़वाल : इग्नू ने जुलाई 2026 सत्र के लिए नवीन प्रवेश एवं पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई तक कर दी है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने रोजगारपरक एवं कौशल-आधारित स्नातक पाठ्यक्रम बैचलर ऑफ रूरल स्टडीज (बीएफआरएस) भी शुरू किया है।

इग्नू अध्ययन केंद्र एचएनबी गढ़वाल विवि के समन्वयक डॉ. प्रशांत कंडारी ने बताया कि बीएफआरएस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्रामीण विकास, पंचायती राज, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण आजीविका जैसे विषयों का व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुखी ज्ञान उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 10+2 या समकक्ष है। कार्यक्रम हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में संचालित होगा। इसकी न्यूनतम अवधि तीन वर्ष तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष है। वार्षिक शुल्क 5 हजार रुपये होगा और परीक्षा प्रणाली वार्षिक रहेगी। डॉ. कंडारी ने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने अभी तक प्रवेश या पुनः पंजीकरण नहीं कराया है उनके लिए यह अंतिम अवसर है।

छात्रों के प्लेसमेंट सहित अन्य विषयों पर किया मंथन

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विवि के पूर्व एलुमनाई एसोसिएशन सचिव महिपाल सिंह रावत ने विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह से भेंट की। इस दौरान विवि की एलुमनाई एसोसिएशन के पुनर्गठन एवं सशक्तीकरण, छात्रों के प्लेसमेंट सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारत गणराज्य के द्वारा मेरे हक में दिनांक 02-02-2007 को पासपोर्ट जारी किया गया था। मेरा नवीनीकरण पासपोर्ट नं0-P 8085310 है। उक्त पासपोर्ट का नवीनीकरण दिनांक 12-12-2016 को किया गया था। उपरोक्त पासपोर्ट में मेरा नाम दिकेश्वरी देवी लिखा गया था, जबकि मेरी जाति नेगी है। मेरे आधार कार्ड, बैंक पासबुक आदि में मेरा नाम दिकेश्वरी नेगी लिखा हुआ हैं। मुझे दिकेश्वरी देवी एवं दिकेश्वरी नेगी के नाम से जाना पहचाना जाता है। अतः मेरे उपरोक्त पासपोर्ट में मेरा नाम दिकेश्वरी नेगी दर्ज किया जाय।

दिकेश्वरी नेगी पत्नी श्री प्रेम सिंह, निवासी ग्राम हलुणी, पो0ऑ0 संगलाकोटी, तहसील एवं थाना सतपुली, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0570/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का जन्म दिनांक 21-09-2023 को हुआ। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम भूलवश निखिल रावत अंकित हो गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम अंयाश रावत है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का सही व वास्तविक नाम अंयाश रावत अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

वैशाली रावत पत्नी विकास रावत निवासी रतनपुर सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0569/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं	T-06-TRD-MB-26-27
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के पुराने पी0एस0आई0 उपकरणों के प्रस्थापन का कार्य (चरण–2)
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	11.08.2026, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 2,79,84,548.37/- (GST @18% सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 5,59,700/-
निविदाप्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 days
कार्य पूरा करने की अवधि	09 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. Elect/TRD/MB/2026-27/TN-07 दिनांक : 20.07.2026 2497/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	SNT-TELE-OFC-KUMBH-25-26 प्रोविजन ऑफ ओ एफ सी इक्विपमेंट फॉर कण्ट्रोल कम्युनिकेशन इन दी सेक्शन फॉर कुम्भ मेला 2027.	22477307.55	449600.00	Nil	17.08.2026 15:00
2	5RT-T-CCTVRRoom-MB25-26 प्रोविजन ऑफ सी सी टी वी कैमरा टू मॉनिटर कॉमन एरियाज ऑफ रिटायारिंग रूम एंड टिकट काउंटरस एट आल मेज़र लोकेशनस ऑफ मुरादाबाद डिवीज़न	21435302.09	428700.00	Nil	17.08.2026 15:00

नोटः– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। Tender Notice no.- 5RT-T-CCTVRRoom-SNT-TELE-OFC-KUMBH-25-26 Date: 21.07.2026 2501/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण कथा का हुआ शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्रावण मास के पावन अवसर पर निंबूचौड़ में सार्वजनिक शिव महापुराण कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

निंबूचौड़ चौराहे से कथा स्थल तक निकाली गई कलश यात्रा में ढोल-नगाड़ों की गूंज और भजन-कीर्तन ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कीर्तन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत शिव भजनों पर श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ झूमते नजर आए।

कथा के प्रथम दिवस आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने शिव महापुराण के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, भक्ति और सदाचार का संदेश देने वाला दिव्य जीवन-दर्शन है। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण का श्रद्धापूर्वक श्रवण और मनन करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है, मानसिक शांति प्राप्त होती है तथा भगवान

निंबूचौड़ क्षेत्र में कलश यात्रा निकालती महिलाएं

शिव की कृपा से जीवन में सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। आचार्य ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सर्वश्रेष्ठ समय माना जाता है। इस माह में विधि-विधान से शिव पूजा, रुद्राभिषेक और शिव महापुराण कथा श्रवण का विशेष महत्व है, जिससे भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख गीता नेगी, हिम्मत सिंह नेगी, कैप्टन सुरेश चंद्र कुकरेती, पंडित देवेंद्र ध्यानी, अमित बड़ोला, जानकी देवी, सुनीता देवी, सुषमा डोबरियाल, शाकंबरी देवी, लक्ष्मी रावत, रजनी देवी, अनीता बलोदी, दीपा काला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

Grammothan Project (UGVS-REAP)
Third Floor, Vikas Bhawan, Pauri Garhwal, Uttarakhand
Mobn: 9997105080 ईमेल : reappauri@ugvs.org

Request for Quotation (RFQ)

Gramotthan Project (REAP), under the District Project Management Unit (DPMU), Pauri Garhwal, invites sealed quotations from eligible firms for the supply of-

S.N.	Items	Period of Supply
1	Supply of Computer System, Printer & UPS for CLFs formed in 15 Block of Pauri Garhwal	30 Days
2	Supply of office furniture for CLFs formed in 15 Block of Pauri Garhwal	30 Days

The RFQ documents can be obtained from the REAP DPMU Office, Vikas Bhawan, Pauri Garhwal, during working days between 22-07-2026 to 05-08-2026, from 10:30 AM to 5:00 PM.

Alternatively, the RFQ document may be requested by email at reappauri@ugvs.org.

Completed quotations, duly filled in all respects, must be submitted by hand or by post to the same office on or before 05 August 2026 up to 02:00 PM.

District Project Manager
Gramotthan Project
Pauri Garhwal
(0320/21)

घरों के आसपास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम कोटद्वार के काशीरामपुर (पश्चिम) क्षेत्र में घनी आबादी के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन लोगों के लिए चुनौती बनी हुई है। वरिष्ठ नागरिक संगठन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए लाइन को शिफ्ट करने की मांग की है।

वरिष्ठ नागरिक संगठन के अध्यक्ष पीएल खंतवाल, रिपुदमन सिंह बिष्ट व महेंद्र कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा है। संगठन का कहना है कि यह लाइन हजारों लोगों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। बताया गया है कि वार्ड संख्या-9 के नजीबाबाद रोड, काशीरामपुर क्षेत्र की कई कॉलोनियों एवं मोहल्लों के ऊपर से लगभग 1.5 किलोमीटर तक हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। इसके दायरे में रमेश नगर, चमेली गली, कछड़ी कॉलोनी, भवानी एन्क्लेव, जानकी नगर, बद्रीविशाल कॉलोनी, उमेश नगर, सजवाण कॉलोनी, भोलादत्त विहार, सूर्य नगर, शिवालिक नगर, डिफेंस कॉलोनी, न्यू प्रताप नगर, प्रताप नगर, देवी नगर, सैनिक कॉलोनी सहित आसपास के कई क्षेत्र आते हैं। संगठन ने कहा कि बरसात एवं तेज हवा के दौरान कई बार लाइन से तार टूटने के कारण टीवी, फ्रीज, इन्वर्टर, एसी सहित अन्य विद्युत उपकरण खराब हो चुके हैं। ज्ञापन में 6 सितंबर 2022 को सैनिक कॉलोनी में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से रूकमा देवी गुसाईं की मृत्यु तथा उमेश नगर में एक महिला के गंभीर रूप से घायल होकर दिव्यांग होने की घटना का भी उल्लेख किया गया है। वरिष्ठ नागरिक संगठन ने मुख्यमंत्री की वर्ष 2021 की उस घोषणा का भी हवाला दिया, जिसमें आवासीय भवनों के ऊपर से गुजर रही 11 केवी एवं 33 केवी विद्युत लाइनों को शिफ्ट किए जाने की बात कही गई थी। संगठन का आरोप है कि घोषणा के बावजूद आज तक संबंधित लाइन को स्थानांतरित नहीं किया गया, जिससे क्षेत्रवासी भय के साये में जीवन जीने को मजबूर हैं। संगठन ने मुख्यमंत्री से जनहित में हाईटेंशन लाइन को शीघ्र अन्य सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराने तथा इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई कर संगठन को भी अवगत कराने की मांग की है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	134-DRM-MB-26-27 Date 21.07.2026	135-DRM-MB-26-27 Date 21.07.2026	136-DRM-MB-26-27 Date 21.07.2026	137-DRM-MB-26-27 Date 21.07.2026	138-DRM-MB-26-27 Date 21.07.2026
कार्य का नाम	TRR(P) in ON-BLM section & other Miscellaneous Works under ADEN/HRI-II	Construction of new quarters for staff at UCH, JBG, JKH, MINJ, BRTA station in RAC-SPC section under ADEN/HRI-II	Improvement of water supply arrangement, drainage/ sewerage system and consequent improvement to colonies quarters at KKJ, HRI, SAN & MLD under ADEN-I-HRI	Improvement of water supply arrangement, drainage/sewerage system and consequent improvement to colonies quarters at JBG, SPC, MAHO & BLM under ADEN-II-HRI	Supplying and spreading 10000 cum of 65 mm gauge machine crushed stone ballast on cess in ON-BLM and BLM-SPC section under Sr.DEN-II/MB
टेंडर क्लोसिंग दिनांक/समय	14.08.2026 16:00 Hrs.	14.08.2026 16:00 Hrs.	14.08.2026 16:00 Hrs.	14.08.2026 16:00 Hrs.	14.08.2026 16:00 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	1,51,70,851.77	2,72,84,548.36	3,56,75,974.38	3,28,72,117.45	2,11,45,800.00
धरोहर राशि (रु.)	3,03,400.00	5,45,700.00	7,13,500.00	6,57,500.00	4,22,900.00
टेन्डर कॉस्ट	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	31.07.2026	31.07.2026	31.07.2026	31.07.2026	31.07.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	09 माह	06 माह	06 माह	08 माह

नं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 21.07.2026 2501-A/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

कावड़ यात्रा चुनौतियां और समाधान

सावन का महीना आते ही उत्तर भारत की सड़कों पर आस्था का विशाल प्रवाह कांवड़ियों के सैलाब के रूप में दिखाई देने लगता है। उत्तराखंड कावड़ यात्रा का एक अहम स्थान है और कावड़ यात्रा को सुचारू रूप से चलने के लिए राज्य सरकार बड़े पैमाने पर तैयारी करती है। समुचित व्यवस्था औरतैयारी के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कावड़ यात्रा की तैयारी को लेकर स्तरीय समीक्षा के माध्यम से दिशा निर्देश तय कर रहे हैं। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नही, बल्कि करोड़ों लोगों की श्रद्धा, विश्वास और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इस यात्रा को लेकर सवाल भी बढ़े हैं। प्रश्न आस्था पर नहीं, बल्कि उससे जुड़ी व्यवस्थाओं, सामाजिक व्यवहार और पर्यावरणीय प्रभावों पर उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल भीड़ प्रबंधन को लेकर है। हर वर्ष कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि कई मार्गों पर बुनियादी ढांचा उसी अनुपात में विकसित नहीं हो पाया है। कई स्थानों पर लंबा जाम, मार्ग अवरुद्ध होना और आपातकालीन सेवाओं के प्रभावित होने जैसी स्थितियां सामने आती हैं। प्रशासन भी हर वर्ष सुरक्षा और दुर्घटनामुक्त यात्रा को सवोच्च प्राथमिकता बताता है,जिससे यह स्पष्ट है कि भीड़ और यातायात प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हैं। मुख्य सवाल यात्रा के दौरान हिंसक या विवादास्पद घटनाओं को लेकर उठता है। लाखों श्रद्धालुओं में अधिकांश पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ यात्रा करते हैं, लेकिन कुछ घटनाएं पूरे आयोजन की छवि को प्रभावित कर देती हैं। सड़क पर मामूली विवाद, वाहन दुर्घटनाओं के बाद तनाव या कानून व्यवस्था से जुड़े मामले अक्सर चर्चा का विषय बन जाते हैं। यात्रा के दौरान होने वाली हिंसक घटनाओं के कारण आम लोगों के मन में यह धारणा बनती है कि यात्रा के दौरान व्यवस्था और अनुशासन को और मजबूत करने की आवश्यकता है। पर्यावरण की दृष्टि से भी कावड़ यात्रा पर सवाल उठाए जाते हैं। यात्रा मार्ग एवं गंगा तटों और यात्रा मार्गों पर प्लास्टिक कचरा, डिस्पोजेबल सामग्री और बढ़ता प्रदूषण चिंता बढ़ा रहे हैं। धार्मिक आयोजनों में बढ़ती भीड़ के साथ यह चुनौती और गंभीर हो रही है। क्या यात्रा को केवल सरकारी जिम्मेदारी मान लेना पर्याप्त है? प्रशासन सड़कें, सुरक्षा और सुविधाएं उपलब्ध करा सकता है, लेकिन अनुशासन, स्वच्छता और दूसरों के अधिकारों का सम्मान समाज को स्वयं सुनिश्चित करना होगा। सुधार के लिए सबसे पहले वैज्ञानिक भीड़ प्रबंधन की आवश्यकता है। यात्रा मार्गों का बेहतर विभाजन, डिजिटल निगरानी, रियल टाइम सूचना प्रणाली और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया जाना चाहिए एवं पर्यावरण संरक्षण को यात्रा का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। यात्रा के दौरान सांप्रदायिक तनाव जैसी भी मामले में प्रकाश में आते हैं लिहाजा धार्मिक संगठनों, प्रशासन और स्थानीय समुदायों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। यात्रा केवल श्रद्धालुओं की नहीं, बल्कि उन शहरों और गांवों की भी होती है जिनसे होकर यह गुजरती है। इसलिए स्थानीय लोगों की सुविधाओं और आवश्यकताओं को भी समान महत्व मिलना चाहिए। जब कोई धार्मिक आयोजन करोड़ों लोगों तक पहुंचता है, तो उसके साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। यदि श्रद्धा के साथ अनुशासन, स्वच्छता और संवेदनशीलता को जोड़ा जाए, तो कांवड़ यात्रा केवल आस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक सामंजस्य और जनभागीदारी का भी आदर्श बन सकती है।

भारत से टकराने की जिद बड़ी भारी पड़ती है, 'हिंदुस्तान के हिस्से का बिल' भी भर रहा है पाकिस्तान!

नीरज कुमार दुबे

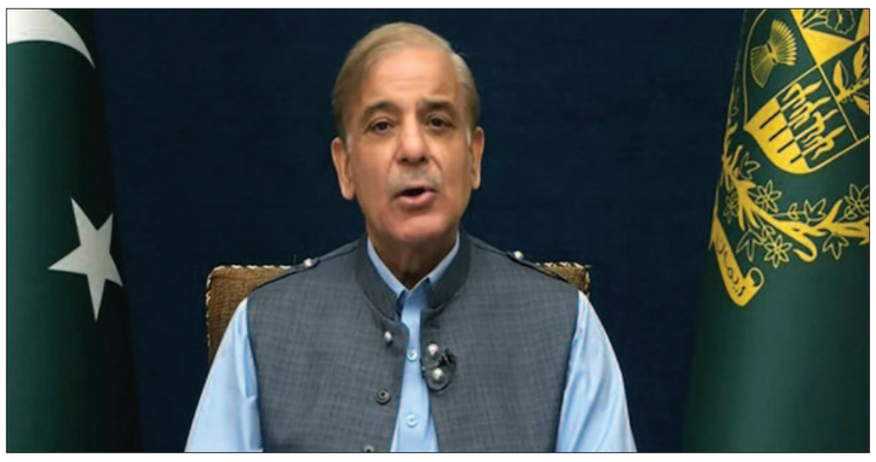

सीमापार आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बना चुके पाकिस्तान की आज ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि वह भारत के खिलाफ साजिश रचने की कीमत भी अपनी जेब से चुका रहा है। दरअसल, सिंधु जल संधि को लेकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरने की नाकाम कोशिश में इस्लामाबाद न केवल अपनी ओर से खर्च उठा रहा है, बल्कि भारत के हिस्से का व्यय भी खुद अदा कर रहा है। यानी जिस देश को वह कटघरे में खड़ा करना चाहता है, उसी का बिल भी उसे भरना पड़ रहा है। यह दृश्य पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कूटनीतिक बेबसी और बौखलाहट का सबसे बड़ा प्रमाण है। दुनिया के सामने भारत को घेरने निकला पाकिस्तान आज अपनी ही बनाई चाल में फंसकर उपहास का पात्र बन गया है।

हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत छह नदियों के जल के बंटवारे का ढांचा तय किया गया था। दशकों तक भारत ने संधि का पूरी निष्ठा से पालन किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को संरक्षण देता रहा। पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने साफ संदेश दिया कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद का विश्वसनीय और स्थायी रूप से परित्याग नहीं करता, तब तक सामान्य स्थिति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इसी क्रम में भारत ने संधि से जुड़ी कार्यवाहियों में अपनी भागीदारी स्थगित कर दी।

भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। नई दिल्ली का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियां 1960 जैसी नहीं रहीं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी, ऊर्जा की आवश्यकता, नई प्रौद्योगिकी और सबसे बढ़कर पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद ने पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे में संधि की समीक्षा और नए सिरे से विचार स्वाभाविक आवश्यकता है।

इसके विपरीत पाकिस्तान हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश कर रहा है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस मध्यस्थता प्रक्रिया से वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है, उसी का पूरा आर्थिक बोझ भी उसे स्वयं उठाना पड़ रहा है। यह उस कूटनीतिक दिवालियेपन का प्रतीक है जिसमें पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी दलीलें जीवित रखने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार दिखाई देता है।

सच्चाई यह भी है कि सिंधु जल संधि से दशकों तक सबसे बड़ा लाभ पाकिस्तान को मिला। भारत, ऊपरी प्रवाह वाला देश होने के बावजूद, संधि की कठोर शर्तों का पालन करता रहा। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि यह व्यवस्था भारत के हितों के अनुरूप नहीं रही। इसके बावजूद भारत ने जिम्मेदार राष्ट्र का परिचय दिया। लेकिन जब पड़ोसी देश आतंकवादियों को शरण दे, प्रशिक्षण दे और भारत के निर्दोष नागरिकों का रक्त बहाने वालों को संरक्षण प्रदान करे, तब केवल सद्भावना के आधार पर संबंध नहीं चल सकते।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचाने से वास्तविकता नहीं बदलती। आतंकवाद और बातचीत, आतंकवाद और सहयोग, आतंकवाद और विश्वास, ये तीनों एक साथ नहीं चल सकते। यदि इस्लामाबाद यह सोचता है कि वह एक ओर आतंकियों को पालता रहेगा और दूसरी ओर जल समझौतों तथा वैश्विक संस्थाओं की आड़ लेकर भारत पर दबाव बनाएगा, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। भारत ने बार-बार संयम दिखाया है, लेकिन संयम को कमजोरी समझना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, जल हितों और संप्रभु अधिकारों से किसी प्रकार का समझौता करने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्र में शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले अपनी धरती से संचालित सीमापार आतंकवाद की फैक्ट्रियों पर स्थायी ताला लगाना होगा।

बहरहाल, पाकिस्तान के नीति-निमार्ताओं के लिए यह घटनाक्रम स्पष्ट संदेश है। जो देश आज भारत का हिस्सा भी अपनी जेब से भरने को विवश है, उसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था, अपने शासन और अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत को धमकियों या अंतरराष्ट्रीय मंचों की कार्यवाहियों से झुकाया नहीं जा सकता।

भारत की ओर से संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान ने सीमापार आतंकवाद को हमेशा के लिए बंद नहीं किया, तो उसे केवल आर्थिक ही नहीं, कूटनीतिक, सामरिक और रणनीतिक स्तर पर भी और बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। शांति का मार्ग आतंकवाद छोड़ने से होकर जाता है, न कि दुनिया भर में शिकायतों का पुलिंदा लेकर घूमने से। समय रहते पाकिस्तान को यह सच्चाई स्वीकार करनी होगी, क्योंकि नया भारत अपनी सुरक्षा और अपने राष्ट्रीय हितों पर किसी भी प्रकार का समझौता करने के लिए तैयार नहीं है।

क्या समाज में दम तोड़ रही मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत?

रंजन चौधरी

-हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह में 7 शवों का लावारिश हालत में मिलना खड़ा करता है कई यक्ष प्रश्न...., अस्पताल कैंपस से मिले दो अज्ञात शव चिंता का विषय

-अमन-चैन व सौहार्द वातावरण के शहर हजारीबाग के सामाजिक ताने- बाने पर उठ रहें हैं कई सवाल

आधुनिक युग में जहां पाश्चात्य संस्कृति हावी है वही समाज में मानवीय वेदना, संवेदना और इंसानियत के भाव का भी आभाव दिखता है। हजारीबाग जिसे अमन-चैन और सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता रहा है लेकिन कुछ ऐसी घटनाएं घटती है जो इस सामाजिक सौहार्द के लिए भविष्य में चिंता का सबब बन जाती है।

ताजा उदाहरण है हजारीबाग शहर और आसपास के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बीते एक सप्ताह के दौरान 7 शव लावारिश अवस्था में बरामद हुए। इन घटनाओं ने पूरे हजारीबाग को झकझोर कर रख दिया है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि इनमें से 5 शव अब भी अज्ञात है और उनके पहचान के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में मोचुर्री पर रखा गया है। अबतक इनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिसिया जाँच के साथ ये समाज के सामने एक अत्यंत ही गंभीर और ज्वलंत सामाजिक प्रश्न खड़े करता है कि आखिर इन शवों का पहचान हो पाएगा भी या नहीं? या कई लावारिश शवों की तरह ही इनका भी अंतिम संस्कार हो जाएगा और ये काल के गाल में हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे ।

ऐसे इन सभी शवों को पुलिस की मौजूदगी में मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने बड़े मशक्कत के बाद सम्मानपूर्वक उठाकर फिलवक्त पहचान के लिए रखवाया है। हीराबाग चौक के समीप गहरे दलदल के एक नाली से एक शव को निकालने के क्रम में वे हादसा के शिकार भी हो सकते थे लेकिन उन्होंने डंडे के सहारे पहले दलदल की गहराई नापी फिर शव को निकाला। ऐसे कई दिनों से पड़े शवों के दुर्गंध को सहकर उन्होंने इस सेवा क्षेत्र में जो मिसाल पेश किया है वह सराहनीय है। नीरज कुमार और उनकी टीम का कार्य निसंदेह मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब सबों की पहचान नहीं हो पाएगी तब इनके द्वारा ही सम्मानपूर्वक इनका अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा। अब सवाल यह उठता है कि इनका अंतिम संस्कार करके क्या हम अपने सामाजिक दायित्व से मुक्त हो सकते हैं? या फिर हमें उन कारणों की तलाश भी करनी चाहिए, जिसकी वजह से लोग इस स्थिति तक पहुंच रहे हैं?

हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह के दौरान इन शवों की लावारिश हालत में झील के मत्स्य विभाग के समीप से मिलना, हीराबाग स्थित बिजली विभाग के सामने के नाले से मिलना, नगवां- चुरचू के पत्थर एक माइंस से मिलना, रेलवे स्टेशन के बोगी से मिलना तो रहस्यमय है ही लेकिन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के भीतर से दो शवों का बरामद होना बेहद ही चिंतनीय और गंभीर सवाल खड़ा करता है। यहां लोग जीवन बचाने की आस लेकर पहुंचते हैं लेकिन बीते एक सप्ताह के भीतर वार्ड से एक शव और एक शव ट्रामा सेंटर के बाहर से बरामद होना व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों पर सवाल खड़े करती है। वर्तमान समाज में मानसिक तनाव, अवसाद, आर्थिक दबाव, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आपसी विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। कई बार लोग किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को देखकर मुँह मोड़ लेते हैं तो कई बार अस्पताल के बाहर छोड़कर चंपत हो जाते हैं। ऐसे लोग कौन हैं? उनकी जिम्मेवारी कैसे तय होगी और कौन तय करेगा? क्या हमारी संवेदनाएं इतनी कमजोर हो गई है कि हम किसी जरूरतमंद को मदद नहीं कर सके या किसी जरूरतमंद को अस्पताल पहुंचाकर यहां भर्ती कराने या उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने का भी प्रयास नहीं कर सकते?

अब समय सिर्फ शासन- प्रशासन को दोष देने का नहीं है। समाज को ऐसे विषयों पर सामाजिक रूप से मिलकर चिंतक- मंथन करना होगा। हमें आत्म मंथन करना होगा। परिवारों में संवाद कम हो रहे हैं, सामाजिक रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं और अकेलापन बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने की जरूरत है। समाज में नशा मुक्ति अभियान को सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। मानसिक अवसाद में जीने वाले लोगों को सामाजिक रूप से संबल देने की आवश्यकता है। हम सभी को अपने अंदर संवेदना के भाव को जागृत रखना होगा और इसे मानवीय कर्तव्य समझकर इसे अपने दैनिक जीवन में चरितार्थ करना होगा ।

प्रशासन को भी शहर के ऐसे सुनसान जगहों के साथ-साथ अस्पताल जैसे संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी निगरानी रखनी होगी ताकि बेसहारा एवं अज्ञात लोगों की पहचान और पुनर्वास की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करना होगा।

हजारीबाग अपनी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदना के लिए जाना जाता रहा है। ऐसी असामाजिक और अमानवीय घटनाओं पर अगर इसे महज खबर समझकर इग्नोर करते रहें तो भविष्य में यह स्थिति और व्यापक हो सकती है। लावारिस अवस्था में मिले इन शवों की भी अपनी मौत की कहानी होते हैं जो समाज की असंवेदनाओं, व्यवस्था की कमियों और टूटते सामाजिक रिश्तों का मौन आईना होते है। पिछले एक सप्ताह में हजारीबाग में मिले इन शवों में से कई शवों को करीब से देखा तो यह एहसास मन में हुआ कि इसे शेयर किया जाय और इस पर सामाजिक रूप से चर्चा की जरूरत है अन्यथा आने वाले समय में हम इंसान तो होंगे लेकिन समाज में वेदना, संवेदना और इंसानियत का भाव का घोर आभाव हो जायेगा और हम इंसान और जानवरों में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

संविधान और संप्रभु भारत का अमर प्रतीक तिरंगा

श्वेता गोयल

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है।

तिरंगे की शान, भारत की पहचान...

विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मयार्दा और अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज 'तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र

कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा।

राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम् लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। 'भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में ह्वयूनियन जैकह्व का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके। 1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालांकि बहुत से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायीं ओर लाल रंग के चरखे का चिन्ह अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया।

1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोष ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर यही झंडा गीत बड़े ही जोशीले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर इसमें देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

मध्य अफ्रीकी देश कैमरून में सात यात्रियों का अपहरण

याउंडे, एजेंसी। कैमरून के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार देर रात (स्थानीय समय) सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से उत्तर पश्चिम क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है। पिछले महीने भी कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में करीब 12 लोगों का अपहरण किया गया था। इनमें एक बस के 10 यात्री शामिल थे। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस इलाके में हुई जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा जारी है।

बाकू में भारत के विश्व धरोहर स्थलों की प्रदर्शनी का आगाज

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान की राजधानी बाकू में स्थित भारतीय दूतावास परिसर में भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर एक स्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिक, अजरबैजान के सांसद, व्यापारिक समुदाय, ट्रैवल ऑपरेटर और भारतीय समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के राजदूत अभय कुमार और यूएन-हैबिटेट अजरबैजान प्रमुख अन्ना सोवे ने संयुक्त रूप से किया। वर्तमान में भारत में 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 36 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक व 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं।

भ्रष्टाचार में चाइना विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जांच

बीजिंग, एजेंसी। चाइना डेवलपमेंट बैंक के पूर्व अध्यक्ष ओउयांग वेइमिन पर गंभीर अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में शिकंजा कसा गया है। चीन की शीर्ष भ्रष्टाचार विरोधी संस्था ने रविवार को उनके खिलाफ जारी जांच की जानकारी दी। केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग ने संक्षिप्त बयान में बताया कि राष्ट्रीय पर्यवेक्षण आयोग के साथ मिलकर ओउयांग वेइमिन के खिलाफ जांच की जा रही है। ओउयांग ने 1986 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल होकर अपना कॅरिअर शुरू किया था और वे पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना में भी रहे।

बुर्किना फासो के राष्ट्रपति ने कर दिया बड़ा ऐलान, बोले- लागू नहीं होगा इस्लामी कानून

औगाडौगू, एजेंसी। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति कैप्टन इब्राहिम ट्राओरे ने हाल ही में देश के इस्लामीकरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो अपने देश में कभी भी शरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने उन छात्रों वापस देश न आने की चेतावनी दी है जो शरिया की पढ़ाके के लिए सऊदी अरब गए हैं। इब्राहिम ट्राओरे ने कहा कि मैं मुस्लिम हूं, लेकिन देश में हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बुर्किना फासो में कभी भी शरिया कानून नहीं लागू होगा। बुर्किना फासो लंबे समय से धार्मिक हिंसा का शिकार रहा है। यहां इस्लामी आतंकवादियों के कई संगठन सक्रिय हैं, जो देश में शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति इब्राहिम ट्राओरे का एक कथित बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि उन्होंने शरिया की पढ़ाई के लिए सऊदी अरब जाने वाले छात्रों से कहा, अगर आप तकनीकी शिक्षा और कौशल हासिल करने के बजाय केवल शरिया पढ़ने जा रहे हैं, तो वहीं रहें। आपको वापस लौटने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यहां आपकी वापसी की अनुमति नहीं होगी। बताया जा रहा है कि यह टिप्पणी उन्होंने धार्मिक सद्भाव, राष्ट्र निर्माण और अतिवाद के खिलाफ अपनी सरकार की नीति को रेखांकित करते हुए की। हालांकि, इस बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इब्राहिम ट्राओरे का जन्म 14 मार्च 1988 को हुआ था। उन्होंने सितंबर 2022 में सैन्य तख्तापलट के बाद बुर्किना फासो की सत्ता संभाली। तब उनकी उम्र सिर्फ 35 साल थी। सत्ता में आने के बाद उन्होंने देश को भ्रष्टाचार, विदेशी प्रभाव और जिहादी हिंसा से मुक्त कराने का वादा किया। ट्राओरे खुद को पैन-अफ्रीकी, राष्ट्रवादी और एंटी-इंपीरियलिस्ट नेता मानते हैं। उन्होंने अल-साहेल स्टेट्स गठबंधन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता और स्थानीय परंपराओं के आधार पर न्याय व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। उनके शासन में बुर्किना फासो ने फ्रांस जैसे पश्चिमी देशों से दूरी बढ़ाई और रूस समेत अन्य देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर चौथी बार गूंजी किलकारी: पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म, 156 साल बाद हुआ ऐसा संयोग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर खुशियों ने दस्तक दी है। उनकी पत्नी और अमेरिका की सेकेंड लेडी उषा वेंस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। नवजात का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। यह पल अमेरिकी इतिहास के लिए बेहद खास बन गया है। दरअसल, पिछले 156 वर्षों में यह पहली बार है जब किसी पद पर रहते हुए उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। वेंस दंपती ने खुद सोशल मीडिया पर एक संयुक्त बयान जारी कर यह खुशखबरी दुनिया के साथ साझा की।

अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विदेशी दौरों पर जाते दिखाई देते हैं। भारतीय मूल के प्रवासियों की बेटी उषा वेंस के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। इस गर्भावस्था के दौरान वह लगातार मीडिया की सुर्खियों में बनी रहीं।

पूरा परिवार खुशियों से सराबोर : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। नए मेहमान के आने से उनके बाकी तीनों बच्चे बेहद उत्साहित हैं। एलेक नील अब वेंस परिवार के तीन बड़े भाई-बहनों के साथ शामिल हो गया है। इस परिवार में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मीराबेल पहले से हैं। वेंस दंपती ने इस खास मौके पर वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों और व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का दिल से आभार व्यक्त किया है।

जनसांख्यिकी और राजनीति का अनोखा संयोग : जेडी वेंस हमेशा से अमेरिका में घटती जन्म दर पर चिंता जताते रहे हैं। वह देशवासियों से अधिक बच्चे पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। साल 2025 में एक रैली के दौरान भी उन्होंने देश में बच्चों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया था। वह अक्सर दंपति ने उषा वेंस और नवजात की देखभाल करने वाली मेडिकल टीम का भी आभार व्यक्त किया और कहा, 'वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के शानदार मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ मेंबर हमारे लिए एक आशीर्वाद रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम बहुत शुक्रगुजार हैं।' एलेक दंपत्ति का चौथा बच्चा और तीसरा बेटा है। वेंस के पहले से ही दो बेटे हैं, इवान (9) और विवेक (6), और उनकी एक बेटी मिराबेल (4) है। उन्होंने अपने बच्चों को ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रखा है। मिराबेल का जन्म दिसंबर 2021 में हुआ था। इस दौरान जेडी वेंस ओहियो से अमेरिकी सीनेट सीट के लिए कैंपेन कर रहे थे। दंपत्ति ने जनवरी 2026 में ऐलान किया था कि उषा एक और बेटे को जन्म देने वाली हैं। इस बच्चे के जन्म के साथ ही अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में एक दुर्लभ रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। इससे पहले, पद पर रहते हुए संतान सुख प्राप्त करने वाले अंतिम अमेरिकी उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स थे। उनके पुत्र शायलर कोलफैक्स तृतीय का जन्म वर्ष 1870 में हुआ था। कोलफैक्स से पहले उपराष्ट्रपति जॉन सी. कैलहून ने 1829 में अपने बेटे विलियम का स्वागत किया था। 41 वर्षीय जेडी वेंस अमेरिका के इतिहास में शपथ लेने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के उपराष्ट्रपति हैं। रिपब्लिकन नेता वेंस, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की सबसे प्रमुख हस्तियों में से एक बनकर उभरे हैं। उषा वेंस ने इससे पहले सार्वजनिक रूप से इस सवाल पर भी बात की थी कि क्या वह और जेडी वेंस अपने परिवार को आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। पिछले साल एक इंटरव्यू में इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'कभी भी 'कभी नहीं' मत कहिए।'

उषा बाला चिलुकुरी के रूप में जन्मी अमेरिका की सेकंड लेडी भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका जाकर बसे थे और उनका पालन-पोषण कैलिफोर्निया में हुआ। उनके परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश से जुड़ी हैं, इसलिए उनके बेटे एलेक नील वेंस के जन्म को भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए भी विशेष महत्व के रूप में देखा जा रहा है। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों ने 2014 में शादी की थी।

इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को रविवार को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था।

सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है। सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने रविवार को ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है। ईरान की आईआरजीसी ने शनिवार को कहा कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर हमला किया, कुवैत में एक फ्यूल सप्लाई डॉक को निशाना बनाया और बहरीन में एक डेटा सेंटर को नष्ट कर दिया है।

बांग्लादेश में खसरे से मरने वालों का आंकड़ा 788 पहुंचा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बीते 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के चलते चार और बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या बढ़कर 788 हो गई है। सभी नई मौतों को खसरा से संदिग्ध रूप से जुड़ी मौत माना गया है। नए अपडेट के अनुसार, बांग्लादेश में खसरे से संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई मौतों का आंकड़ा 95 है। यह जानकारी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के हवाले से सामने आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांग्लादेश में खसरे के 938 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,648 हो गई। इसी अवधि में खसरे के 113 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद प्रयोगशाला जांच से पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या बढ़कर 14,431 हो गई।

इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि डेंगू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है और मौतों का खतरा बढ़ सकता है। बांग्लादेश के अस्पताल पहले से ही खसरे के रोजाना 900 से ज्यादा मरीजों के भर्ती होने के कारण दबाव में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ढाका के बड़े सरकारी अस्पताल, जहां पहले डेंगू के प्रकोप के दौरान हजारों मरीजों का इलाज किया गया था, अभी खसरे के मरीजों के बोझ से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होती है, तो पहले से सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर और दबाव पड़ेगा और इलाज की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

गुयाना में बड़ा हादसा...116 लोगों को ले जा रही नाव पलटी

जॉर्जटाउन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, यह एक बड़ा मुद्री हादसा हो गया है। 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक फेरी समुद्र में पलटकर डूब गई। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया। अब तक 53 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि कई अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, एमवी बरिमा (MV Barima) नाम की फेरी राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतूमा जा रही थी। रास्ते में आयरन पंट के पास देर रात अचानक फेरी का संतुलन बिगड़ गया और वह समुद्र में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद डिस्ट्रेस कॉल भेजी गई, जिसके बाद प्रशासन और बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। प्रशासन लगातार बचाव अभियान चला रहा है और लापता लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

कोस्ट गार्ड और निजी नावों ने बचाए यात्री : गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडघिल ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आसपास मौजूद निजी नावों को भी राहत कार्य में लगाया गया। कोस्ट गार्ड और निजी नौकाओं की मदद से कई लोगों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाए गए यात्रियों को तुरंत इलाज देने के लिए मेडिकल टीमों को भी मौके पर भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, एमवी बरिमा वर्ष 1939 में बनाई गई थी और इसकी लंबाई लगभग 40 मीटर थी। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के लिए फेरी में 250 लाइफ जैकेट, दो लाइफबोट और छह फुलाने वाली लाइफ राफ्ट मौजूद थीं। इसके बावजूद हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री खुद कर रहे हैं निगरानी गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स खुद इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिस पोर्ट कैतूमा के लिए फेरी जा रही थी, वह एस्सेक्विबो क्षेत्र में स्थित है, जो लंबे समय से गुयाना और वेनेजुएला के बीच विवाद का केंद्र रहा है। फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने और हादसे की वजह का पता लगाने पर है।

पेरू में कुदरत का कहर: एंडीज इलाके में जोरदार भूकंप से मची तबाही, 5 की मौत, कई घर मलबे में तब्दील

लीमा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के एंडीज पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार रात आए जोरदार भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। रिक्टर स्केल पर 5.5 की तीव्रता वाले इस भूकंप के कारण कम से कम पांच लोगों की जान चली गई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा ने 300 से अधिक लोगों को उनके घर से बेघर कर दिया है। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

पुरानी इमारतों को भारी नुकसान : यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार रात 9:24 बजे आया। इसका केंद्र हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग 2 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। जमीन से इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर दर्ज की गई, जिसके कारण झटके काफी विनाशकारी महसूस किए गए। कम गहराई पर केंद्र होने की वजह से सतह पर इमारतों को अधिक नुकसान पहुंचा है। भूकंप के कारण सिकाया और आसपास के क्षेत्रों में कई घर मलबे में तब्दील हो गए। पेरू के नेशनल सिविल डिफेंस इंस्टीट्यूट ने बताया कि ढहने वाली इमारतों में स्थानीय चर्च और कॉन्वेंट भी शामिल हैं। सिविल डिफेंस प्रमुख लुइस वास्केज के अनुसार, एंडीज क्षेत्र में घरों के निर्माण के लिए 'एडोब' (कच्ची मिट्टी या मिट्टी की ईंटों) का व्यापक उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि झटके लगते ही मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ गया।

खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर लोग : स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में विनाश का मंजर साफ देखा जा सकता है। चोंगो बाजो जैसे प्रभावित इलाकों में लोग कड़ाके की ठंड के बीच अपने टूटे हुए घरों के बाहर कंबल ओढ़कर बैठने को मजबूर हैं। एक स्थानीय महिला, हर्मेनेगिल्डा गुआमालाटो ने अपना दुख शेयर करते हुए बताया कि उनका घर पूरी तरह नष्ट हो चुका है और अब वह अपने तीन बच्चों के साथ पड़ोसी प्रांत में ठिकाने की तलाश में हैं। मलबे के नीचे कई पालतू जानवरों के दबे होने की भी खबरें सामने आई हैं।

प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' : पेरू भौगोलिक दृष्टि से प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की सक्रियता के कारण भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। इससे पहले साल 2007 में पेरू के पिस्को प्रांत में 7.9 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें लगभग 600 लोगों की मौत हुई थी। वर्तमान में, अधिकारी लापता लोगों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटे हैं और प्रभावित परिवारों को आपातकालीन सहायता पहुंचाई जा रही है।

ये स्पेन नहीं, अमेरिका की जीत है... ट्रंप के बयान से मची हलचल, अगले वर्ल्ड कप पर कही ये बात

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रविवार को भव्य समापन हो गया। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से मात देकर विश्व विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही स्पेन ने 16 साल बाद दोबारा फुटबॉल के इस महाकुंभ पर कब्जा जमाया है। मुकाबला इतना कड़ा था कि निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं, जिसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा।

फेरान टोरेस का ऐतिहासिक विजयी गोल : मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त खेल देखने को मिला। खेल के 106वें मिनट में वह क्षण आया जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निको विलियम्स के शानदार पास को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो खिताबी जीत साबित हुई।

यह अमेरिका की बड़ी जीत है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विशेष रूप से राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर 'मरीन वन' से फाइनल मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो के साथ मिलकर विजेता टीम स्पेन को वर्ल्ड कप ट्रॉफी सौंपी। भले ही खिताब स्पेन के नाम रहा, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे अमेरिका की एक बड़ी सफलता और जीत करार दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया कि अमेरिका भी एक फुटबॉल प्रेमी देश है और इस सफल आयोजन ने पूरी दुनिया को एक साथ लाने का काम किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप इस टूर्नामेंट की मेजबानी और इससे मिले अंतरराष्ट्रीय प्यार से इतने प्रभावित हैं कि उन्होंने फीफा अध्यक्ष को अगला वर्ल्ड कप भी जल्द से जल्द फिर से अमेरिका में कराने का सुझाव दे डाला है। गौरतलब है कि इस बार वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की थी। शुरुआत में सख्त वीजा नियमों और कुछ विशेष देशों के प्रशंसकों पर पाबंदियों के कारण अमेरिकी प्रशासन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन फाइनल के सफल समापन ने ट्रंप के आत्मविश्वास को बढ़ा दिया है। टूर्नामेंट के अन्य बड़े पुरस्कारों की बात करें तो, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतकर इतिहास रचा, जबकि स्पेन के उनाई सिमोन को 'गोल्डन ग्लव' से नवाजा गया।

यूक्रेन पर रूस का चौतरफा वार! 41 मिसाइलों और 125 ड्रोनों ने राजधानी कीव में मचाई भारी तबाही, लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने एक बार फिर भीषण रूप ले लिया है। रविवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई प्रमुख शहरों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोनों और गाइडेड बमों से चौतरफा हमला बोला। इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस हमले ने यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से अमेरिका निर्मित पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की सीमाओं को उजागर कर दिया है, जो रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में संघर्ष करता नजर आया।

41 मिसाइलें और 125 ड्रोनों से हमला

यूक्रेनी वायु सेना के मुताबिक, रूस ने रविवार रात करीब 1:30 बजे अपना ऑपरेशन शुरू किया, जो कई घंटों तक चला। मॉस्को ने पूरे यूक्रेन में 41 मिसाइलें और 125 ड्रोन दागे। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पुष्टि की कि इनमें से अधिकांश का निशाना राजधानी कीव थी।

कई शहरों में तबाही : राजधानी के अलावा, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव के पास एक डाक केंद्र पर हुए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, खेरसॉन और सुमी शहरों को भी रूसी गाइडेड बमों ने निशाना बनाया, जहां जनहानि की खबरें हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब रूसी हमले पहले के मुकाबले कहीं अधिक बार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों में मानसिक तनाव और डर का माहौल है।

यूक्रेन ने किया पलटवार : रूस के इस हमले के जवाब में यूक्रेन ने भी रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने घोषणा की कि यूक्रेनी यूनिट्स ने स्टावरोपोल इलाके के तीन तेल डिपो और ब्लैक सी में मौजूद रूसी टैंकरों पर हमले किए हैं। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने रात भर में यूक्रेन के 140 ड्रोनों को मार गिराया है। रूस ने यह भी कहा कि उनके हमले केवल सैन्य उद्देश्यों और ड्रोन निर्माण इकाइयों तक सीमित थे।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीव की सुरक्षा मजबूत करने के लिए यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम बनाने का लाइसेंस देने की बात कही है, हालांकि इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह बात साफ हो गई है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष अब तेल उद्योग और ऊर्जा संसाधनों को नष्ट करने की ओर मुड़ गया है।

पत्रकारिता
में कॅरियर की इंद्रधनुषी सम्भावनाएं

भारत में विकास तथा गवर्नेंस का क्षेत्र हाल ही में एक नया उदाहरण बना है, जिसका मुख्य आधार नई नीतिगत अर्थ व्यवस्था, परिवर्तित व्यवसाय, परिवेश और ज्ञान की शक्ति का सर्वस्वीकृत होना है। नए हालातों में पत्रकारिता की प्रासंगिकता व्यापक रूप से बढ़ गई है। आज लोकतंत्र का यह चौथा स्तम्भ अपने महत्व और विस्तार के मद्देनजर केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पत्रकारिता के बढ़ रहे महत्व को देखते हुए,कई मीडिया संस्थाएं, शैक्षिक संस्थाएं और इलेक्ट्रॉनिक चैनल स्थापित किए गए हैं।

दरअसल मीडिया आज समाज तथा शासन का वास्तविक दर्पण बन गया है। इसे लोक शिक्षक के रूप में देखा है। मीडिया जन-साधारण की समस्याओं को उजागर करने,उनकी आवाज़ बुलंद करने तथा उन्हें न्याय दिलाने का एक प्रभावी साधन यानी मंच बन गया है। लिहाज़ा, कोई आश्चर्य नहीं कि कॅरियर की दृष्टि भी पत्रकारिता का क्षेत्र पहले से ज्यादा विस्तृत और आकर्षक बन गया है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सफल करियर के रूप में किसी भी व्यक्ति को जिज्ञासु,दृढ़ इच्छा शक्ति वाला, सूचना को वास्तविक, संक्षिप्त तथा प्रभावी रूप में प्रस्तुत करने की अभिरुचि रखने वाला, किसी के विचारों को सुव्यवस्थित करने तथा उन्हें भाषा तथा लिखित-दोनों रूपों में स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने में कुशल होना चाहिए। दबाव में कार्य करने के दौरान भी नम्र एवं शांत चित्त बने रहना एक अतिरिक्त योग्यता होती है। जीवन के सभी क्षेत्रों से व्यक्तियों का साक्षात्कार लेते समय पत्रकार को व्यावहारिक, आत्मविश्वासपूर्ण तथा सुनियोजित रहना चाहिए। उसे प्रासंगिक तथ्यों को अप्रासंगिक तथ्यों से अलग करने में सक्षम होना चाहिए। अनुसंधान तथा सूचना की व्याख्या करने के लिए विश्लेषण कुशलता होनी चाहिए।

बदलते परिवेश ने वैसे देखा जाय तो प्रायः प्रत्येक करियर की संभावनाओं में आमूल परिवर्तन कर दिया है। इस लिहाज़ से पत्रकारिता एक प्रतिष्ठित व्यवसाय है और कुछ मामलों में एक उच्च वेतन देने वाला व्यवसाय है,जो युवाओं की बड़ी संख्या को आकर्षित कर रहा है। इससे कौन इंकार कर सकता है कि किसी भी राष्ट्र के विकास में पत्रकारिता अहम भूमिका निभाती है। इसमें आजकल नागरिकों की सीधी भागीदारी की मांग बढ़ती है।यह वह साधन है, जिसके माध्यम से हमें समाज की दैनिक घटनाओं के बारे में सूचना प्राप्त होती है। वास्तव में पत्रकारिता का उद्देश्य जनता को सूचना देना, समझाना, शिक्षा देना और उन्हें प्रबुद्ध करना है।

कलम तलवार से कहीं अधिक प्रभावशाली है, इसे आज की पत्रकारिता ने सिद्ध कर दिखाया है। अब सिर्फ खबर देना पत्रकारिता नहीं है। घटनाओं की मात्र साधारण रिपोर्ट देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रिपोर्टिंग में अधिक विस्तार, स्पष्टता , विशेषज्ञता और व्यावसायिकता होना आवश्यक है। यही कारण है कि पत्रकार अपनी योग्यता प्रमाणित करने के लिए समाचारपत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं के लिए राजनीति शास्त्र,वित्त,अर्थशास्त्र,कला, संस्कृति एवं खेल जैसे विविध क्षेत्रों के अलावा अनगिन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं। घटनाओं और चीज़ों पर पकड़ के अलावा इसे भाषा पर भी अधिकार हासिल करना होता है।

अब एक करियर के रूप में अगर देखें तो तीन ऐसे मुख्य क्षेत्र हैं जिनमें पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति रोजगार ढूंढ़ सकते हैं-

शिक्षण एवं अनुसंधान
प्रिंट पत्रकारिता
इलेक्ट्रॉनिक (श्रव्य/दृश्य) पत्रकारिता।

शिक्षण एवं अनुसंधान-उच्च शिक्षा, पत्रकारों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, किंतु अनुसंधान भी पत्रकारिता में एक सामान्य करियर विकल्प है। पत्रकारिता में उच्च शिक्षा और पी.एचडी. उपाधि धारक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं में रोजगार तलाशते हैं। कई अध्यापन पदों पर विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अनुसंधान सम्बन्धी कार्यकलाप अपेक्षित होते हैं। यद्यपि यह निश्चित तौर पर सत्य है कि पुस्तकों अथवा लेखों को प्रकाशित करना कार्य - सुरक्षा तथा पदोन्नति का मुख्य मार्ग है और अधिकांश विश्वविद्यालयों में वेतन वृद्धि होती है, यह अपेक्षा ऐसी स्थापनाओं में अधिक लागू होती है जहां मूल छात्रवृत्ति को महत्व तथा समर्थन दिया जाता है। तथापि कई संस्थाएं उन्नति के एक प्रारंभिक मार्ग के रूप में अनुसंधान अथवा अध्यापन पर अधिक बल देती है।

इसके परिणामस्वरूप यद्यपि कुछ व्यवसायों में पत्रकारिता में कोई डिग्री विशेष रूप से अपेक्षित होती है, तथापि, ऐसा शैक्षिक प्रशिक्षण विविध प्रकार के व्यवसायों में जाने की एक महत्वपूर्ण योग्यता हो सकती है। पत्रकारिता में कला-स्नातक या मास्टर ऑफ आर्टस अथवा अनुसंधान (पीएच.डी.) डिग्रियों के लिए, गैर-लाभ भोगी क्षेत्र में, कोई विश्वविद्यालय, कोई संस्थान कोई व्यावसायिक या मीडिया फर्म रोजगार का क्षेत्र हो सकती है।

प्रिंट पत्रकारिता- प्रिंट पत्रकारिता समाचार पत्रों पत्रिकाओं तथा दैनिक पत्रों के

लिए समाचारों को एकत्र करने एवं उनके सम्पादन से संबद्ध हैं। समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं, वे बड़ी हों या छोटी, हमेशा विश्वभर में समाचारों तथा सूचना का मुख्य स्रोत रही हैं और लाखों व्यक्ति उन्हें प्रतिदिन पढ़ते हैं। कई वर्षों से प्रिंट पत्रकारिता बड़े परिवर्तन की साक्षी रही है। आज समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं विविध विशेषज्ञतापूर्ण वर्गों जैसे राजनीतिक घटनाओं व्यवसाय समाचारों, सिनेमा, खेल, स्वास्थ्य तथा कई अन्य विषयों पर समाचार प्रकाशित करते हैं, जिनके लिए व्यावसायिक रूप से योग्य पत्रकारों की मांग होती है। प्रिंट पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति सम्पादक, संवाददाता, रिपोर्टर, आदि के रूप में कार्य कर सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विशेष रूप से प्रसारण के माध्यम से जन-समुदाय पर पर्याप्त प्रभाव है। दूरदर्शन, रेडियो, श्रव्य, दृश्य (ऑडियो, वीडियो) और वेब जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने दूर -दराज के स्थानों में समाचार, मनोरंजन एवं सूचनाएं पहुंचाने का कार्य किया है। वेब में, कुशल व्यक्तियों को वेब समाचार पत्रों (जो केवल वेब की पूर्ति करते हैं और इनमें प्रिंट संस्करण नहीं होते और लोक प्रिय समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं को जिनके अपने वेब संस्करण होते हैं, साइट रखनी होती है। इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति रिपोर्टर, लेखक, सम्पादक, अनुसंधानकर्ता, संवाददाता और एंकर बन सकता है।

शिक्षा- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान चलाने वाले कई विश्वविद्यालय तथा संस्थान हैं, उनमें कुछ निम्नलिखित हैं-

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली
मुद्रा संचार संस्थान
सिम्बियोसिस पत्रकारिता एवं संचार संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय,रायपुर

अवसर

पत्रकारिता में कोई पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, कोई भी व्यक्ति किसी मीडिया अनुसंधान संस्थान या किसी सरकारी संगठन में एक अनुसंधान वैज्ञानिक बन सकता है। अनुसंधान कार्य के दौरान भी कोई व्यक्ति अन्य अनुदानों तथा सुविधाओं के अतिरिक्त, मासिक वृत्तिका प्राप्त कर सकता है। कोई भी व्यक्ति किसी समाचारपत्र में या इलेक्ट्रॉनिक चैनल में एक पत्रकार के रूप में कार्यग्रहण कर सकता है और अच्छा वेतन अर्जित कर सकता है। प्रेस अधिकारी के रूप में अपनी दक्षता सिद्ध कर सकता है।

स्वरोजगार

टॉय डिजाइनिंग ढेरों संभावनाएं

खिलौने सभी बच्चों को बेहद पसंद होते हैं। ये सिर्फ खेलने के नजरिए से नहीं, बल्कि उनके मानसिक विकास में भी मदद करते हैं। वैसे भी आजकल बाजार में इतने नए-नए खिलौने आ गए हैं कि कई बार लेने से पहले सोचना पड़ता है। कहते हैं अपने अंदर का बच्चा कभी न मरने दें और खिलौनों की दुनिया का यह नया स्वरूप खिलौने के निर्माण में कॅरियर की भी ढेरों संभावनाएं पैदा करता है। टॉय डिजाइनर का काम खिलौनों से बच्चों का मनोरंजन तो हो ही, साथ ही, ऐसे खिलौने बनाना भी है जिनसे बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा भी मिले। टॉय डिजाइनिंग में दो चीजें हैं - एक क्रिएटिविटी और दूसरा बच्चों की क्षमता को समझना, जिससे बच्चे खेलें भी और उन्हें नई चीजें सीखने का मौका भी मिले। खिलौने भी दो प्रकार के होते हैं - एक जिनसे बच्चे कुछ सीखते हैं और जिसे परिवार के साथ भी खेला जा सकता है, दूसरा सिर्फ मौज-मस्ती के लिए। पुराने समय में खिलौने प्राकृतिक चीजों से बनते थे जैसे- लकड़ी, पत्थर या मिट्टी लेकिन आजकल यह प्लास्टिक, फर और अन्य कृत्रिम पदार्थ। टॉय डिजाइनर खिलौनों को डिजाइन करते हैं और फिर बनाते हैं। उनका काम शुरू होता है ड्रॉइंग, स्केचिंग या कंप्यूटर से मॉडल तैयार करने से, फिर यह तय करना कि खिलौने का हर हिस्सा कैसे बनना है और फिर उसका एक नमूना तैयार करना। खिलौनों को बाजार में दो प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए रखा जाता है - एक तो बच्चे जो उनसे खेलते हैं और दूसरे उन ग्राहकों के लिए जो खिलौने एकत्रित करते हैं। गुडिया से लेकर मैकेनिकल सेट, टॉय डिजाइनर, बोर्ड गेम्स, पजल्स, कम्प्यूटर गेम्स, स्टफ्ड एनिमल्स, रिमोट कंट्रोल कार, नवजात शिशु के लिए खिलौने आदि बनाते हैं। आजकल के दौर के हिसाब से खिलौने बनाने के लिए डिजाइनर को न केवल बाजार के ट्रेंड से अवगत रहना चाहिए बल्कि अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों की जरूरतों को भी पता होना चाहिए। इस कॅरियर में ग्राफिक डिजाइन, मैकेनिकल ड्रॉइंग और कलर के चुनाव की जानकारी हो तो अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। टॉय डिजाइनर बच्चों के विशेषज्ञ के साथ काम करते हैं जिससे उन्हें हर आयु के बच्चों की जरूरत का पता चलता है। उनकी सफलता अच्छे, मनोरंजक, कल्पनाशील और सुरक्षित खिलौने बनाने पर निर्भर

करती है।

इस कॅरियर के लिए व्यापार और प्रबंधन क्षमता होना जरूरी है। इस कॅरियर में विशिष्ट कोर्स कम हैं लेकिन ग्राफिक डिजाइन, इंडस्ट्रियल डिजाइन या कार्टूनिंग की जानकारी के साथ काम किया जा सकता है। इसमें कंप्यूटर की जानकारी होना जरूरी है। इसके अलावा, इंजीनियरिंग और मार्केटिंग में अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक, विशेषज्ञ, साइकोलॉजिस्ट, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट भी टॉय डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं। इंजीनियरिंग का ज्ञान तकनीक द्वारा निर्मित खिलौने के लिए होना जरूरी है। शिक्षक, विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक हर आयु के बच्चों की जरूरतें आसानी से समझ सकते हैं इसलिए परामर्शदाता के तौर पर वह इस क्षेत्र में पैर जमाने में सक्षम हैं। कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट खिलौनों की सॉफ्टवेयर संबंधित कार्यात्मकता प्रदान कर सकते हैं। कुछ टॉय डिजाइनर एजुकेशनल खिलौनों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, कुछ सामान्य खिलौनों में या फिर कोई विशिष्ट क्षेत्र में कोर्स कर सकते हैं जैसे- मॉडल मेकिंग, बोर्ड गेम्स, सॉफ्ट टॉय या पुराने खिलौनों की प्रतिकृति आदि। आजकल पालतू जानवरों के लिए खिलौने बनाना भी बढ़ती हुई इंडस्ट्री है। टॉय डिजाइनर अगर चाहें तो किसी कंपनी में भी काम कर सकते हैं या स्वतंत्र रूप से खिलौने भी बना सकते हैं। अगर चाहें तो अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट भी खोल सकते हैं। टॉय डिजाइन पर किताब लिख सकते हैं या किसी इंस्टिट्यूट में बतौर शिक्षक भी नौकरी की जा सकती है। इसके अलावा, बतौर इंटीरियर डिजाइनर बच्चों के कमरे या प्ले स्कूल थीम बेस्ड टॉय का इस्तेमाल करके डिजाइन कर सकते हैं। टॉय डिजाइन कंस्लटेंट या इसमें फ्रीलांसिंग भी की जा सकती है। एक बार डिजाइनर के तौर पर अपने आपको स्थापित करने के बाद अवसरों और आय की कमी नहीं होगी। लेकिन इस कॅरियर में सफलता आपकी रचनात्मकता पर निर्भर करती है।

हंसो, हंसाओ
लाइफ बनाओ

जिंदगी में दुख और तकलीफें कम नहीं, ऐसे में हंसने का मौका मिल जाए तो क्या कहने! यही वजह है कि हंसी के गुब्बारे छोड़ते लोग टीवी, रेडियो और फिल्में में खूब दिखने लगे हैं। कहा जाता है कि हंसाना आसान काम नहीं है, लेकिन यदि आपमें वह हुनर है कि आप रोते को भी हंसा दें तो फिर देर किस बात की, बना डालिए हंसी के क्षेत्र में करियर और कमा लीजिए ढेर सारा प्यार और रुपये। जी हां, कभी लोगों के चेहरे से दूर रहने वाली हंसी अब हर टीवी चैनल, रेडियो स्टेशन और फिल्मों में दिखने लगी है। यही वजह है कि इस समय हंसी के क्षेत्र में करियर बनाने के कई विकल्प हैं।

अपने शब्दों के साथ ही अपने चेहरे के हाव-भाव को कुछ डिफरेंट बना सकते हैं कि सामने वाला पेट पकड़े बिना न रह पाए तो मिमिक्री, आरजे, वीजे, टीवी धारावाहिक, स्टेज शो, एंकरिंग, थिएटर, फिल्म, स्क्रिप्ट लेखन, कवि गोष्ठी किसी क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। इस समय इस क्षेत्र से संबंधित कई इंस्टीट्यूट कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं, लेकिन ध्यान रखिए कि किसी भी इंस्टीट्यूट में वह माद्दा नहीं है जो आपको इसमें पारंगत बना दे। इसे खुद ही निखारा जा सकता है, खूब सारी प्रैक्टिस करके। हंसी के क्षेत्र में बढ़ती करियर की संभावनाओं के बारे में पढ़िये इस लेख में-

स्टैंडअप कॉमेडियन

द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज, कॉमेडी सर्कस जैसे टीवी शोज के जरिए स्टैंडअप कॉमेडियन को न सिर्फ इज्जत मिलने लगी है, बल्कि ये कमाई का बेहतरीन जरिया भी बन चुके हैं। आप जितना अधिक खुद पर हंस सकते हैं, दूसरों पर बिना प्रहार किए उन्हें हंसी का केंद्र बना सकते हैं, आप उतनी ही जल्दी प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंच सकते हैं। क्या कभी आप अपने दोस्तों के बीच खड़े होकर उन्हें पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर चुके हैं, यदि आपका जवाब हां में है तो आपमें स्टैंडअप कॉमेडियन बनने की काबिलियत है। इसके जरिए आप शुरुआत में दस हजार रुपये आसानी से कमा सकते हैं। प्रसिद्धि पाने के बाद तो यह कीमत एक लाख रुपये तक जा सकती है। इसके लिए क्रिएटिव राइटिंग या मीडिया से संबंधित कोई कोर्स सहायक हो सकता है। जरूरी है कि आपमें बेहतर कम्यूनिकेशन स्किल, सेंस ऑफ ह्यूमर, अच्छी पर्सनालिटी, निरंतरता जैसी खूबियां हों।

रेडियो जॉकी

इन दिनों रेडियो स्टेशनों पर आरजे श्रोताओं को हंसाते हुए नजर आते हैं। बातचीत चाहे फिल्मों की हो या राजनीति की, इनकी बातों में हंसी का पुट खूब रहता है। एक हंसोड़ आरजे बनने के लिए आपमें सेंस ऑफ ह्यूमर, निरंतरता, बेहतरीन आवाज, कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। इन गुणों के अलावा पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, जेवियर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशन ट्रेनिंग प्रदान करता है। आरजे खुरापाती नितिन के सभी श्रोता इसलिए फैन हैं, क्योंकि वह अपनी बातों से खूब हंसाते हैं।

वीडियो जॉकी

वीजे का काम भी काफी हद तक आरजे से मिलता है। बस यहां खुशनुमा व्यक्तित्व का होना आवश्यक है। व्यक्तित्व ऐसा हो, जिसे देखते दर्शकों को अच्छा महसूस हो। साथ में फटाफट जवाब देने की कुशलता का होना आवश्यक है। वीजे सायरस ब्रोचा ऐसे ही हैं, जो अपनी वीजेइंग में कॉमेडी का पुट ऐसा जोड़ते हैं कि दर्शक हंसे बिना रह ही नहीं पाते।

एंकर

एंकर बनने के लिए सबसे पहली खूबी तो यह होनी चाहिए कि भीड़ में आपका आत्मविश्वास खुलकर दिखे। आप जब बोलें तो लोग आपको ध्यान से सुनें। जरूरी तो यह भी है कि आपकी पर्सनालिटी खुशनुमा हो, आवाज साफ और खुली होने के साथ शब्दों का उच्चारण सही करना आता हो। साजिद खान, अली असगर, पूरबी जोशी जैसे एंकर इसलिए हिट हैं, क्योंकि उनमें ये सारी खूबियां हैं।

स्क्रिप्ट राइटर

टीवी चैनलों पर बढ़ते हास्य धारावाहिकों या कॉमेडी के शोज को देखते हुए भारी मांग बढ़ी है स्क्रिप्ट लेखकों की। कई बड़े और नामी कॉमेडी आर्टिस्ट समय की कमी के कारण खुद के लिए स्क्रिप्ट लिखवाते हैं। तो हास्य धारावाहिकों में भी स्क्रिप्ट लेखक की आवश्यकता पड़ती है, जो दर्शकों को खुद की लिखी लाइनें सुनते ही हंसने पर मजबूर कर दे। यही मांग कॉमेडी फिल्मों और रेडियो के लिए भी है। इस हुनर को सीखा नहीं जा सकता, यह व्यक्ति के अंदर होता है। हां, इसे निखारा जरूर जा सकता है। सही लेखन के लिए मास कम्यूनिकेशन का कोर्स किया जा सकता है। शुरुआत में थोड़ा संघर्ष हो सकता है, लेकिन बाद में प्रति माह चालीस-पचास हजार रुपये आसानी से कमाए जा सकते हैं।

हंसने-हंसाने के क्षेत्र में इस समय करियर की संभावनाएं बेहतरीन हैं। चाहें तो लाइव शोज में एंकरिंग कर लें, स्टैंडअप कॉमेडियन बन जाएं या लिखना शुरू कर दें। बस जरूरत है थोड़ी ग्रूमिंग की और स्टेज प्रेजेंस तगड़ा (लेखन छोड़कर) बनाने की। इसके लिए जरूरत है प्रेजेंस ऑफ माइंड बढ़िया हो। इसके साथ ही एक्सट्रोवर्ट होना चाहिये। जनरल अवेयरनेस, अच्छी मेमोरी, ग्रहण करने की बेहतर क्षमता, कम्यूनिकेशन स्किल,सेंस ऑफ ह्यूमर अन्य जरूरी गुण हैं। इन खूबियों को ऐसे लोगों के साथ रहकर ग्रूम भी किया जा सकता है। इसके बाद स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, स्टैंडअप कॉमेडियन, रेडियो जॉकी, वीडियो जॉकी, लाइव शो प्रेजेंटर में से कोई भी विकल्प चुना जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने 235 करोड़ की चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं का किया भूमि पूजन एवं शिलान्यास

महाकुंभ-2027 एवं कांवड़ यात्रा की तैयारियों को मिलेगी नई गति, स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा प्रोत्साहन

जयन्त प्रतिनिधि। हरिद्वार : हरिद्वार को आधुनिक, सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं विश्वस्तरीय आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर के अंतर्गत लगभग 235 करोड़ रुपये की चार प्रमुख आधारभूत अवसंरचना परियोजनाओं का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया।उत्तराखण्ड निवेश एवं आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) द्वारा संचालित इन परियोजनाओं से आगामी महाकुंभ-2027 की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ वर्षभर आने वाले श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुगम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही स्थानीय नागरिकों को भी बेहतर आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा तथा पर्यटन, व्यापार, परिवहन, होटल व्यवसाय, हस्तशिल्प एवं अन्य सेवा क्षेत्रों को बढ़ावा मिलने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अलकनंदा होटल हरिद्वार में आयोजित समारोह में 43.25 करोड़ रुपये की लागत से प्रशासनिक मार्ग कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही 66.76 करोड़ रुपये की लागत से हर की पैड़ी एवं सुभाष घाट के पुनरुद्धार, 66.34 करोड़ रुपये की लागत से हर की पैड़ी के उत्तर क्षेत्र में आधारभूत अवसंरचना विकास तथा 58.84 करोड़ रुपये की लागत से रोड़ी बेलवाला क्षेत्र के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ गंगा की असीम कृपा और संत समाज के आशीर्वाद से प्रारंभ हुई ये परियोजनाएं हरिद्वार को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी के रूप में विकसित करने के व्यापक विजन का हिस्सा हैं। कहा कि राज्य सरकार केवल शिलान्यास करने में नहीं, बल्कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी ढंग से परियोजनाओं को पूर्ण कर जनता को समर्पित करने की कार्यसंस्कृति पर विश्वास करती है। सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र, भारतीय संस्कृति की जीवंत पहचान तथा सनातन सभ्यता का आध्यात्मिक द्वार है। आगामी महाकुंभ-2027 भारत की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक चेतना का महापर्व होगा।

सीएमओ ने जारी किए डॉक्टरों के तबादले के आदेश

देवप्रयाग : टिहरी जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्याम विजय ने डॉक्टरों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। जिले में 46 नए स्थायी डॉक्टरों के आने से कई अस्पतालों में स्वीकृत पदों से ज्यादा डॉक्टर तैनात हो गए थे, जिसे देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्याम विजय ने संविदा डॉक्टरों को डॉक्टर विहीन अस्पतालों में भेजने का फैसला लिया। इस आदेश के तहत देवप्रयाग अस्पताल में तैनात डॉ. सिमरन रावत को थत्यूड़ और डॉ. नीतू नेगी को प्रतापनगर भेजा गया है। जबकि कीर्तिनगर अस्पताल से डॉ. अमित कुमार और डॉ. अल्का रानी का तबादला चौंड अस्पताल में किया गया है। इसके अलावा हिसरियाखाल, अंजनीसैण, आछरीखूंट, बडियारगढ़ और न्यूली के डॉक्टरों को भी थत्यूड़ और मदननेगी अस्पतालों में तैनात किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्याम विजय ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश तुरंत लागू होगा और सभी डॉक्टर नई जगह पर तैनाती के बाद ही अपना इस महीने का वेतन ले सकेंगे। (एजेंसी)

सरकार जनता के द्वार के तहत 46 अधिकारी ग्राम पंचायतों में सुनेंगे जनता की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत जुलाई माह में जनपद स्तरीय अधिकारी ग्राम पंचायतों में बैठक करेंगे। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने आदेश जारी कर सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इस दौरान अधिकारी ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के साथ ही उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराएंगे। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि जारी रोस्टर के अनुसार जिलाधिकारी विकासखंड जखोली के सभागार में ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी ऊखीमठ के कविल्ठा, उप वन संरक्षक रजत सुमन अगस्त्यमुनि के सतेरा, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा जखोली के जखनोली ग्राम पंचायत में भ्रमण कर बैठक करेंगे। अन्य अधिकारी प्रभारी सीएमओ डॉ. सीमा क्यूंजा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर त्रियुगीनारायण, एसडीएम जखोली भगत सिंह फोनिया माथगांव, एसडीएम रुद्रप्रयाग सोहन सिंह सैनी मदोला, एसडीएम ऊखीमठ अनिल रावत परकंडी और जिला सूचना अधिकारी के एल टम्टा भटवाड़ी सुनार में ग्रामीणों से संवाद करेंगे। कुल 46 जनपद स्तरीय अधिकारियों को विभिन्न ग्राम पंचायतों का दायित्व सौंपा गया है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे भ्रमण कर बैठक की आख्या जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

संक्षिप्त समाचार

पीड़ित ने मुआवजा देने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : भक्तियाना स्थित एनआईटी के समीप रहने वाले गणेश सेमवाल ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बारिश के दौरान पाइपलाइन फटने से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की। उन्होंने प्रशासन से क्षति का आकलन कर उचित मुआवजा दिलाने तथा संबंधित निर्माणदायी संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई। गणेश सेमवाल ने ज्ञापन में बताया कि बीते 11 जुलाई को हुई भारी बारिश के दौरान एनआईटी परिसर की ओर से गुजर रही पाइपलाइन अचानक फट गई और बड़ी मात्रा में पानी और मलबा सीधे उनके घर में घुस गया। इससे घर में रखा घरेलू सामान खराब हो गया और भवन को भी आंशिक क्षति पहुंची। उन्होंने उपजिलाधिकारी से संबंधित विभाग से मौके का निरीक्षण कराकर नुकसान का आकलन कराने की मांग की। साथ ही लापरवाही बरतने वाली निर्माणदायी संस्था के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग भी की। (एजेंसी)

बारिश से हुडोली–कंताड़ी मोटर मार्ग कई जगह क्षतिग्रस्त

पुरोला। मूसलाधार बारिश से हुडोली],पाणीगांवझकंताड़ी मोटर मार्ग को कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त कर दिया। दर्जनों गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मंगलवार सुबह विभागीय जेसीबी की मदद से मार्ग को सुचारू किया गया।ग्रामीणों ने बताया कि रातभर हुई बारिश के दौरान सड़क कई स्थानों पर धंस गई। पहाड़ी से लगातार मलबा और बड़े पत्थर गिरने से मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया जिससे सुबह तक वाहनों की आवाजाही ठप रही। सूचना मिलते ही मंगलवार सुबह पीएमजीएसवाई ने जेसीबी मौके पर भेजी। मलबा हटाकर और चट्टानों की कटिंग कर अस्थायी रूप से सड़क को यातायात के लिए खोल दिया गया। हालांकि मार्ग पर लगातार भूस्खलन होने से सफर अब भी जोखिम भरा बना है।ग्रामीण दयाराम नेगी और बलबीर नेगी ने बताया कि पहाड़ी से लगातार मलबा गिर रहा है जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने विभाग से क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवारों का जल्द पुनर्निर्माण, सड़क की स्थायी मरम्मत और संवेदनशील भूस्खलन स्थलों पर सुरक्षात्मक कार्य कराने की मांग की है। पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता सुभाष दोरियाल ने बताया कि मार्ग पर यातायात सुचारू कर दिया गया है।

31 जुलाई तक चिह्नीकरण पूरा नहीं हुआ तो एक से करेंगे आंदोलन

पुरोला। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के प्रतिभागियों के चिह्नीकरण में हो रही देरी को लेकर चिह्नित उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति, खवांई–यमुना घाटी ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समिति ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर 31 जुलाई तक चिह्नीकरण की प्रक्रिया पूरी कर अंतिम रिपोर्ट शासन को भेजने की मांग की है। साथ ही ऐसा नहीं होने पर एक अगस्त से आंदोलन की चेतावनी दी। समिति का कहना है कि जिला चिह्नीकरण सलाहकार समिति की 27 दिसंबर 2021 की बैठक में 46 राज्य आंदोलनकारियों के जीडी व अन्य अभिलेखों के आधार पर सहमति बनने के बावजूद अंतिम रिपोर्ट शासन को नहीं भेजी गई। इसके बाद 30 सितंबर 2023 की बैठक में भी कई आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण पर सहमति बनी जबकि 9 अप्रैल 2025 को आवेदकों से सुझाव लेने के लिए बैठक आयोजित की गई। आरोप है कि 20 मई 2026 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला चिह्नीकरण समिति की बैठक में 56 मामलों पर शासन के मानकों के अनुरूप निर्णय होने के बाद भी रिपोर्ट लंबित है। समिति ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में बार–बार बैठकें होने के बावजूद प्रक्रिया पूरी न होना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। ज्ञापन पर समिति के अध्यक्ष पृथ्वीराज कपूर, गंगाघाटी अध्यक्ष मदन लाल, कन्हैया सिंह, राम सिंह चौहान के हस्ताक्षर हैं।

बैडमिंटन खिलाड़ी वाणिज ने दिखाया दमखम

उत्तरकाशी। सौरभ फाउंडेशन की ओर से आयोजित बैडमिंटन टूर्नामेंट सीजन–3 के दूसरे दिन खिलाड़ियों के बीच मुकाबले हुए। अंडर–15 बालक एकल वर्ग में खेले गए रोमांचक मुकाबले में वाणिज डंगवाल ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अरमान को सीधे सेटों में 21–15, 21–16 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।अंडर–15 वर्ग का वाणिज डंगवाल और अरमान के बीच मुकाबला प्रतियोगिता के आकर्षक मैचों में शामिल रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया। हालांकि, वाणिज ने बेहतर रणनीति और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला अपने नाम किया। दिनभर चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, तकनीक और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुग्ध संघ अध्यक्ष गिरीश चंद्र रमोला मौजूद रहे। उन्होंने सौरभ फाउंडेशन की नशे को ना, खेल और जिंदगी को हां मुहिम की सराहना करते हुए इसे युवाओं को सही दिशा देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया।

रिंग रोड प्रभावित 17 काश्तकारों ने दर्ज कराईं आपत्तियां

नई टिहरी। टिहरी झील के चारों ओर प्रस्तावित रिंग रोड के लिए भूमि अर्जन को लेकर मंगलवार को उप तहसील मदननेगी में जनसुनवाई हुई जिसमे प्रतापनगर विधानसभा क्षेत्र के 9 गांवों के 17 काश्तकारों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराए। एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई में खांड, पाचरी, नारगढ़, भौनियाड़ा, सांदणा, जलवालगांव मल्ला, जलवालगांव तल्ला, पथियाणा और कंगसाली के प्रभावित काश्तकारों ने सर्किल दर पर मुआवाजा भुगतान करने की मांग प्रमुखता से उठाई। काश्तकारों का कहना था कि मुआवाजा भुगतान के लिए समय सीमा निर्धारित की जानी चाहिए।

गंगा की सहायक नदियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट रोकें : डीएम

गंगा में बिना शोधन का सीवेज प्रवाहित न हो, सेप्टिक टैंक अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण पर विशेष जोर

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद में गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के संरक्षण, स्वच्छता, सीवरेज एवं सेप्टेज प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार गोपेश्वर में जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गंगा संरक्षण से जुड़े सभी विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की समीक्षा करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा क्षमता एवं आवश्यकता के बीच मौजूद अंतर को समाप्त करने के लिए नए एसटीपी स्थापित किए जाने संबंधी डीपीआर शीघ्र तैयार करने तथा आवश्यक कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि जनपद के सभी एसटीपी नियमित रूप से सुचारु रूप से संचालित रहें तथा उनकी कार्यक्षमता पर निरंतर निगरानी रखी जाए। उन्होंने ऑनलाइन कंटीन्यूअस एफ्लुएंट मॉनिटरिंग सिस्टम के प्रभावी संचालन एवं एसटीपी की स्वयं निगरानी के लिए आवश्यक सभी स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे अविलंब स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद के गंगा तट पर बसे सभी प्रमुख नगरों एवं बाजारों को चरणबद्ध तरीके से सीवरेज नेटवर्क एवं एसटीपी से जोड़ने के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा, ताकि बिना शोधन के किसी भी प्रकार का सीवेज गंगा अथवा उसकी सहायक नदियों में प्रवाहित न हो। जिलाधिकारी ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर देते हुए सभी अधिशासी अधिकारियों एवं अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण, संग्रहण एवं वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को सभी स्वास्थ्य संस्थानों से निकलने वाले बायोमेडिकल अपशिष्ट का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने सभी अर्बन लोकल बॉडी के अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक मात्रा में ठोस अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले संस्थानों की पहचान कर उनके लिए प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था लागू करने के निर्देश भी दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में गंगा की सहायक नदियों को स्वच्छ बनाए रखने पर विशेष बल देते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई को निर्देश दिए कि गंगा में मिलने वाली सभी सहायक नदियों एवं नालों का सर्वे कराया जाए तथा मुख्य धारा में प्लास्टिक एवं अन्य ठोस अपशिष्ट के प्रवाह को रोकने के लिए आवश्यक स्थानों पर चेकडैम, जाल एवं अन्य प्रभावी संरचनाएं विकसित की जाएं, जिससे प्रदूषण को स्रोत स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सके।

नीति और माणा घाटियों का रहा तिब्बत व्यापार में महत्वपूर्ण स्थान

उत्तराखंड की जनजातियां एवं राष्ट्रीय सुरक्षा विषय वेबिनार सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण के इतिहास, भूगोल, सैन्य विज्ञान के संयुक्त तत्वावधान में उत्तराखंड की जनजातियां एवं राष्ट्रीय सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने कहा है कि तिब्बत और भारत के बीच का व्यापार मुख्य रूप से भोटिया जनजाति द्वारा नियंत्रित था। यह व्यापार वस्तु-विनिमय पर आधारित था, जिसमें ऊंचे हिमालयी दर्रों को पार करके स्थानीय उत्पादों का आदान-प्रदान किया जाता था। यह प्राचीन व्यापार सामरिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से अत्यधिक महत्वपूर्ण था। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित नीति और माणा घाटियों का तिब्बत व्यापार में महत्वपूर्ण स्थान था।

वेबिनार का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेन्द्र चन्द्र सिंह, उच्च शिक्षा निदेशक, उत्तराखण्ड प्रो. वी. एन. खाली द्वारा सरस्वती माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस मौके पर प्रो. बी.आर पंत ने कहा कि उत्तराखंड की जनजातियां हिमालयी और तराई क्षेत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतिनिधित्व करती हैं, राज्य में मुख्य रूप से थारू, जौनसारी, भोटिया, बोक्सा और राजी जनजातियां निवास करती है। ये जनजातियां अपनी विशिष्ट बोलियों, पारंपरिक वेशभूषा, मेलों और कला-संस्कृति के लिए जानी जाती है। श्रीदेव सुमन यूनिवर्सिटी परिसर ऋषिकेश से प्रो. दिनेश चंद्र गोस्वामी (डीन ऑफ आर्ट) ने कहा कि उत्तराखंड की जनजातियों का ह्यजल, जंगल और जीवनह्ण से अटूट और गहरा संबंध रहा है। यहां के मुख्य आदिवासी समुदायों की आजीविका, संस्कृति और सामाजिक संरचना सदियों से इन्हीं प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रही है। इस मौके पर डॉ. भारती चौहान, डॉ. बचन सिंह, डॉ. प्रेम सिंह राणा, डॉ. विक्रम रौतेला, डॉ. विकास प्रताप सिंह आदि मौजूद थे।

एनआईटी में स्व-वित्तपोषित रिक्त सीटों पर चार अगस्त तक करें आवेदन

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एमएससी एवं एमटेक के स्व-वित्तपोषित (सेल्फ-स्पॉन्सर्ड) पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान ने पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।

संस्थान के अनुसार सीसीएमएन-2026 के नेशनल स्पॉट राउंड (एनएसआर) के बाद एमएससी (भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं गणित) कार्यक्रमों में रिक्त सीटों पर स्व-वित्तपोषित प्रवेश दिए जाएंगे। वहीं, सीसीएमटी-2026 के बाद रिक्त एमटेक सीटों के साथ-साथ 25 स्व-वित्तपोषित फुल-टाइम एमटेक सीटों पर भी प्रवेश होंगे। एमटेक के लिए सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागों में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 4 अगस्त है। पात्र अभ्यर्थियों की सूची 6 अगस्त को संस्थान की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर 10 अगस्त को लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को 17 से 18 अगस्त के बीच संस्थान में रिपोर्ट करना होगा। नए सत्र की कक्षाएं 9 अगस्त से शुरू होंगी। शुल्क, न्यूनतम पात्रता, सीटों का विवरण, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य आवश्यक जानकारी एनआईटी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। (एजेंसी)

धरने पर परिवार के साथ बैठा पति

थराली। लेटाल गांव में एंबुलेंस में गर्भवती की मौत के मामले में न्याय न मिलने से नाराज पीड़ित परिवार मंगलवार को थराली मोटर पुल पर धरने पर बैठ गया। मृतका के पति नरेंद्र कुमार बुजुर्ग मां और दो मासूम बच्चों के साथ सड़क पर बैठ गए जिससे करीब आधे घंटे तक थराली मोटर मार्ग बाधित रहा। उन्होंने कहा कि मामले में बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था लेकिन टीम नहीं पहुंचे। मौके पर पहुंचे एसडीएम ने जांच खुलवाया।

विगत 29 जून को लेटाल गांव की गर्भवती सरिता देवी (36) को प्रसव पीड़ा के बाद सीएचसी थराली लाया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे कर्णप्रयाग रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही एंबुलेंस में सरिता और गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई थी। मगर घटना के तीन सप्ताह बाद भी दोषियों पर कार्रवाई न होने से परिजनों में आक्रोश है। ऐसे में मंगलवार को मृतका का पति नरेंद्र कुमार, बुजुर्ग मां और दो बच्चों (14 और 10 वर्ष) के साथ थराली मोटर पुल पर धरने पर बैठ गए। नरेंद्र कुमार का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम ने उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए सोमवार को फोन कर सीएचसी थराली बुलाया था। मंगलवार सुबह जब वे परिवार के साथ पहुंचे तो टीम नदारद थी। फोन करने पर भी उन्हें गुमराह किया जाता रहा जिससे तंग आकर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।

ऊखीमठ हेल्थ कैंप में हुई 281 की जांच, वितरित की दवा

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सेवा, सुशासन एवं समर्पण अभियान के तहत मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ मे आयोजित विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर में 281 लोगों की जांच कर दवा वितरित की गई। अभियान के तहत बुधवार को सीएचसी अगस्त्यमुनि में विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी के निर्देशन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ में आयोजित विशेषज्ञ हेल्थ कैंप में सामान्य रोग के 189, अस्थि रोग के 53, सर्जरी के 28 व बालरोग के 11 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर दवा वितरित की गई। वहीं, 85 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गई व 87 लोगों की स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न मामलों में काउंसलिंग की गई। 97 लोगों के लैब टेस्ट व 100 के एक्सरे किए गए। 13 ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड व 56 की आभा आईडी बनाई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी ने बताया कि सेवा सुशासन एवं समर्पण अभियान के तहत बुधवार 22 जुलाई से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में तीन दिवसीय विशेषज्ञ शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बताया कि शिविर में जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से इन शिविरों में पहुंच स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है। विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर में राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के डॉ. अशोक कुमार शर्मा, डॉ. कमल कांत, डॉ. गीतांशु कपूर, डॉ. सुखजीत अरोड़ा द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ. मोनिका सजवाण, डॉ. मोहित, ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक अमित मैठाणी, बीएलए अमित नौडियाल, ब्लाक कार्डिनेटर आशा कार्यक्रम जगजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

जखोली में आयोजित तहसील दिवस में 74 शिकायतें दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सेवा, सुशासन एवं समर्पण अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा के मार्गदर्शन में जनपद में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जिला प्रशासन लगातार सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को विकास खण्ड सभागार जखोली में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील दिवस/जन समर्पण दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 74 शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज की गईं, जिनमें से 34 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के त्वरित एवं समयबद्ध समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। तहसील दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल भी लगाए गए। पशुपालन विभाग ने पशुपालन एवं टीकाकरण योजनाओं, उद्यान विभाग ने बागवानी एवं फलोत्पादन कार्यक्रमों, मत्स्य विभाग ने मत्स्य पालन प्रोत्साहन योजनाओं तथा डेयरी विकास विभाग ने दुग्ध उत्पादन एवं स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी क्षेत्रवासियों को प्रदान की। इसके अतिरिक्त समाज कल्याण, सेवायोजन, कृषि, पूर्ति, स्वास्थ्य, बाल विकास सहित अन्य विभागों द्वारा भी अपनी-अपनी योजनाओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप सेवा, सुशासन एवं समर्पण अभियान के तहत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं को उनके क्षेत्र में पहुंचकर सुन रहा है तथा उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जखोली में आयोजित इस तहसील दिवस में प्राप्त अधिकांश शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया है। शेष समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विभागों को प्रस्ताव तैयार करने एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता

–बढ़ सकती हैं गंभीर से दूरियां

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जतायी है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकर्ताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरु हो गयी है।

शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है?

इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ हैं कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं। शुभमन का मानना है कि अनफिट खिलाड़ियों के चयन के कारण ही टीम सीरीज में हारी है।

सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला शुरू हो गया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी दौरे से पहले ही चोटित होने के कारण बाहर हो गये। वहीं एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होते ही हर्षित राणा और उसके बाद वाशिंगटन सुंदर व अंत में जसप्रीत बुमराह भी फिटनेस से जुड़े मामलों के कारण पूरी सीरीज नहीं खेल पाये। लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों के कारण टीम इंडिया का संयोजन बुरी तरह से डगमगा गया जिससे उसे अपनी रणनीति में लगातार बदलाव करना पड़ा।

सिराज अब पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब पुलिस की वर्दी में नजर आये हैं। वह खेल से मिली छुट्टी का उपयोग अपनी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभाकर कर रहे हैं। सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के कारण तेलंगाना पुलिस में डीएसपी का पद मिला है। इसी जिम्मेदारी को निभाने वह राज्य के पुलिस महानिदेशक सी वी आनंद से मिले। इस मुलाकात के दौरान सिराज ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय क्रिकेट टीम की एक जर्सी भी भेंट की, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। यह घटना न केवल उनके दोहरे व्यक्तित्व को दर्शाती है, बल्कि एक राष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी उजागर करती है। जिसके तहत वह पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करने मैदान में उतरे हैं। तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में उनकी उपस्थिति राज्य पुलिस बल के लिए भी गर्व का विषय है और निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को खेल के साथ-साथ नागरिक सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। टीम इंडिया से मिली छुट्टी के बावजूद सिराज घर में खाली नहीं बैठे, बल्कि उन्होंने अपनी पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी। सिराज का एक तरफ देश के लिए क्रिकेट खेलना और दूसरी तरफ तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के तौर पर अपनी सेवाएं देना, निश्चित रूप से देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछला एकदिवसय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला थ। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलत है या नहीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं जडेजा और बुमराह

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सुंदर को नहीं मिलेगी जगह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर सकता है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए रवाना होगी और पहला टेस्ट मुकाबला गॉल में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया एक चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को हालातों के अनुरुप ढ़लने का अवसर मिल जाएगा।

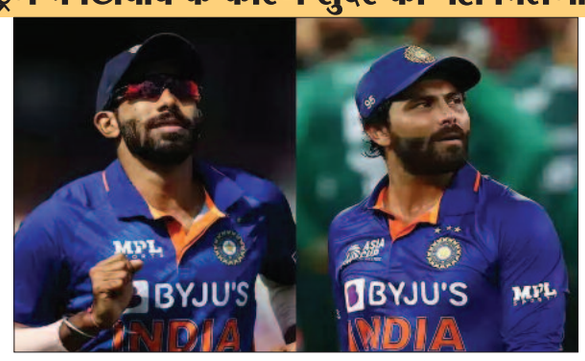

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस टेस्ट सीरीज से टीम में वापसी की पूरी उम्मीदें हैं। जडेजा को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में टीम में शामिल नहीं किया गया था, जबकि जसप्रीत बुमराह चोट के कारण लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे। टीम चयन के दौरान कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी नजरें रहेगी। वहीं स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर दूसरे मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। ऐसे में उन्हें शामिल किये जाने क सवाल ही नहीं है। चयनकर्ता तो हर्ष दुबे को टीमें बनाये रख सकते हैं या फिर स्पिन आक्रमण को मजूबत करने के लिए ऑफ-स्पिनर सारांश जैन को अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा उभरते हुए गेंदबाज मानव सुथार के अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में बरकरार रखे जाने की संभावना है।

वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में बरकरार रहना तय है। दूसरी ओर बल्लेबाजी क्रम में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को देखते हुए बेहद अहम है। भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ दोनो मैच जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करना रहेगा।

मेसी बोले, हार से उबरने में लगेगा लंबा समय

रियो डि जिनेरियो । अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप फुटबॉल फाइनल में मिली बाहर के बाद से ही सदमे में हैं। खिताबी मुकाबले में स्पेन के हाथों मिली हार से उनका लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया है। मेसी का कहना है कि इस बड़े झटके से उबरने में उन्हें लंबा समय लगेगा। इस टूर्नामेंट में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया था पर खिताबी मुकाबले में वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पाये। वहीं स्पेन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मेसी के अनुसार, यह दर्द इतना गहरा है कि इसे भरने में वाकई लंबा समय लगेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा पर मैं उन सभी अच्छी यादों को भी संजोकर रखूंगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में उन मैचों का जिक्र किया जिन्हें टीम ने अपनी पूरी ताकत लगाकर जीता था और सफलता के उन यादगार पलों को भी याद किया जो हमेशा टीम के साथ रहेंगे। मेसी ने पूरे देश के समर्थन के लिए भी आभार जताया है, जिसने टीम की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सराहा है। गौरतलब है कि मेसी का 2030 में होने वाले अगले विश्व कप में खेलने की संभावना नहीं है हालांकि उन्होंने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने घोषित की टीम

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसी सीरीज से नियमित कप्तान पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन की भी वापसी होगी। इन सभी की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण ही ये चारों गेंदबाज बहुत कम अवसरों पर ही एक साथ खेल पाए थे। इससे पहले ये सभी आईपीएल में नजर आये थे। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने इन गेंदबाजों की वापसी पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। बेली ने कहा, हम अभी से अंतिम ग्यारह को तय नहीं कर रहे हैं पर हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए हमारे पास एक बेहद मजबूत टीम है। मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

स्वदेश पहुंची स्पेन टीम का भव्य स्वागत, विक्ट्री परेड में उमड़े प्रशंसक

मैड्रिड । फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीतकर स्वदेश लौटी स्पेन टीम का जबरदस्त स्वागत हुआ है। टीम की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक सड़कों पर उमड़ पड़े। टीम के खिलाड़ियों और उसके कोचिंग स्टाफ ने मैड्रिड पहुंचने पर शाही परिवार और फिर प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज से मुलाकात की। सांचेज ने कहा, ''आपके खेल की शानदार शैली, बेहतरीन प्रयास और जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। हमें आपको खेलते हुए देखकर वाकई बहुत आनंद आया।'' इसके बाद पूरी टीम एक खुली छत वाली बस में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए मैड्रिड की सड़कों पर निकल गई। इस बस पर लिखा था ''सितारे एक साथ चमकते हैं'' और उस पर खिलाड़ियों की तस्वीरें भी लगी हुई थीं।

खिलाड़ियों के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी थी और उन्होंने जो शर्ट पहन रखी थी उस पर स्पेनिश में लिखा था 'सोमोस कैम्पियोनेस' यानी 'हम चैंपियन हैं।' खिलाड़ी पूरी परेड के दौरान नाचते-गाते और प्रशंसकों से बातचीत करते रहे। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने परेड शुरू होने से पहले कहा, ''ऐसे जोशीले और समर्पित प्रशंसकों वाले एक अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करना भावनात्मक और गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। हम बहुत उत्साहित हैं।'' यह परेड प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास मोनक्लोआ पैलेस के पास से शुरू हुई और मैड्रिड की सड़कों से होते हुए सिबेल्स स्क्वायर तक गई, जहां उन्होंने एक स्वागत समारोह हमें हिस्सा लिया और अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इसमें एक लाख से अधिक लोग थे।

युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

–सीनियर खिलाड़ियों के लिए साफ रोडमैप जारी करें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जतायी है। युवराज के अनुसार यश्स्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है। युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र और फॉर्म को लेकर बाहरी चर्चाएँ तो होती रहेंगी पर प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों

के साथ आंतरिक स्थिति बिल्कुल स्पष्ट रखनी चाहिए। युवराज ने ईमानदारी की वकालत करते हुए कहा, और अगर कोई आपकी योजनाओं में नहीं है, तो उनसे ईमानदारी से बात करें। यह एक मुश्किल फैसला होगा, बाहर से शायद यह बुरा लगे, लेकिन वे इस बात की तारीफ करेंगे कि आपने उनसे सीधे बात की। उनका मानना है कि इस तरह की स्पष्ट और सीधी बातचीत खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें अपने भविष्य के बारे में फैसला लेने में मदद करती है, जो अंततः टीम के हित में ही होता है।

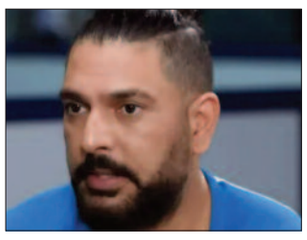

अभिषेक पोरेल रेप मामले में फंसे, गिरफ्तारी के आदेश जारी

कोलकाता । कोलकता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ओर से घरेल क्रिकेटर खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अभिषेक पर कथित तौर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में हाई होर्ट ने अभिषेक के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के साथ उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया है। ऐसे में अब अभिषेक का करियर भी खतरे में नजर आ रहा है। अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं। कोर्ट ने मोगरा पुलिस को शिकायतकर्ता की तस्वीरों के कथित तौर पर वायरल होने से रोकने के लिए पोरेल के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को भी जब्त करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में पीड़ित युवती का आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उनके अंतरंग पलों को रिकॉर्ड किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, 卐याचिकाकर्ता से एक पेन ड्राइव जब्त किया गया है। पेन ड्राइव में कुछ ऐसी चीजें मिली ऐसी हैं, जिससे साबित होता है कि पोरेल के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना जरूरी है जिससे उसमें मौजूद डेटा दूसरों के साथ साझा नहीं किया जा सके।卐 एक रिपोर्ट के अनुसार पोरेल ने कथित तौर पर जनवरी 2023 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। 23 साल के क्रिकेटर पर आरोप है कि जब उनके माता-पिता बाहर थे तब वह महिला को मनकुंडू स्थित अपने फ्लैट पर ले गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पोरेल ने उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए हालांकि, बाद में दोनों के परिवारों ने शादी पर चर्चा की थी, लेकिन बाद में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसे पता चला कि पोरेल के अन्य महिलाओं के साथ भी शारीरिक संबंध थे।

न्यूजीलैंड के स्मिथ ने जीता जून माह का आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ मिला है। स्मिथ को ये अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया गया है। इस सीरीज में कीवी टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी। अवार्ड की दौड़ में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर थमोसाद्देक हुसैन भी थे। स्मिथ ने इंग्लैंड दौरे पर खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी सधी हुई गेंदबाज से मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। उन्होंने 23 के शानदार औसत से 16 विकेट लिए। ये सीरीज में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे अधिक विकेट थे। अवार्ड हासिल करने के बाद स्मिथ ने एक बयान में अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह वाकई बहुत विशेष है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। स्मिथ ने आगे कहा कि वह आमतौर पर व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए नहीं खेलते हैं, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया।

बांग्लादेश के कप्तान लिटन पर कार्रवाई कर सकती है बीसीबी

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान लिटन दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लिटन अपनी चीन यात्रा के कारण निशाने पर हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में अनुशासन समिति के सामने पेश होने को भी कहा हहै। इस क्रिकेटर पर आरोप है कि कि चोट से उबरने के दौरान ही वह बोर्ड को बताये बिन ही चीन यात्रा पर गये थे। लिटन को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के चलते वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इन महत्वपूर्ण चिकित्सा निर्देशों और टूर्नामेंट से अनुपस्थिति के बाद वह बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के चीन गये थे। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन माना जाता है और बीसीबी इसे किसी भी कीमत पर सहन करने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड अब उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और प्रस्तुत की गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी के एक आंतरिक सूत्र ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा, लिटन चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर यह जानने का प्रयास किया कि वह किसकी अनुमति से और किस उद्देश्य से चीन गए थे। इस घटना के लिटन ने बीसीबी को अपना जवाब दे दिया है। माना बीसीसबी की मेडिकल कमेटी लिटन दास के दावों और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इस जांच रिपोर्ट के आने के बाद ही बोर्ड यह तय करेगा कि उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले : अश्विन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले।

आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में भी दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके।

अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी देशों को बराबर अवसर मिलेंगे, तो क्रिकेट का स्तर और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। उनका मानना है कि सामूहिक विकास ही इस खेल को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में क्रिकेट की सफलता केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या अन्य बड़ी टीमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नए देशों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।